दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 93 | ग्वालियर, शनिवार 22 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

कोविड की दैनिक सकारात्मकता दर घटकर 12.59 प्रतिशत हुई: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि कोरोना पॉजिटिव दर घटकर 12.59 प्रतिशत हो गई है, क्योंकि लगातार आठवें दिन दैनिक रिकवरी दैनिक नए मामलों से अधिक रही और नए मामले लगातार पांचवें दिन तीन लाख से कम हैं, लेकिन 4,000 से कम मौतों को दर्ज करने के 24 घंटे बाद, भारत में शुक्रवार कोविड 19 के कारण दैनिक मृत्यु की संख्या बढ़कर 4,209 हो गई. केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, नए मामले सबसे कम हो गए हैं. भारत ने बुधवार को 4,529 मौतों के साथ कोविड के कारण रिकॉर्ड मौतें दर्ज कीं, किसी भी देश में कोविड संक्रमण से अब तक की सबसे अधिक मौतें हैं. इससे पहले 12 जनवरी को अमेरिका में 4,468 और ब्राजील में 6 अप्रैल को 4,211 मौतें हुई थी. ये तीनों महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित देश हैं.

सरकार ने कहा कि कोरोना पॉजिटिव दर घटकर 12.59 प्रतिशत हो गई है

दैनिक रिकवरी दैनिक नए मामलों से अधिक रही और नए मामले लगातार पांचवें दिन तीन लाख से कम हैं

भारत में शुक्रवार कोविड 19 के कारण दैनिक मृत्यु की संख्या बढ़कर 4,209 हो गई

7 मई को 4,14,188 के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छूने के बाद, ताजा कोविड मामले 17 मई को पहली बार तीन लाख अंक से नीचे आए. भारत में कोविड 19 मामलों की कुल संख्या अब 2,60,31,991 है, जिसमें 30,27,925 सक्रिय मामले हैं और अब तक 2,91,331 मौतें हुई हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में अब तक कुल 19,18,79,503 लोगों को टीका लगाया गया है, जिनमें 14,82,754 लोगों को पिछले 24 घंटों में टीका लगाया गया है.भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अनुसार, कोविड19 के लिए 20 मई तक 32,44,17,870 नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है. इनमें से 20,61,683 नमूनों की जांच गुरुवार को की गई.

यौन शोषण मामले में पत्रकार तरुण तेजपाल को बड़ी राहत, गोवा की अदालत ने किया बरी

नई दिल्ली। तहलका पत्रिका के पूर्व एडिटर इन चीफ तरुण तेजपाल के खिलाफ रेप के आरोपों के मामले में गोवा की एक अदालत आज अपना फैसला सुनाया. अदालत ने सहयोगी से रेप केस में कोई सबूत नहीं मिलने पर तरुण तेजपाल को बरी कर दिया है. बता दें कि गोवा के जिला एवं सत्र न्यायालय मापुसा में इस मामले पर कल यानी गुरुवार को फैसला सुनाया जाना था लेकिन कोर्ट में बिजली नहीं होने के कारण फैसले को टाल दिया गया था. तरुण पर उनकी एक महिला सहयोगी का आरोप है कि साल 2013 में गोवा के एक लग्जरी होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने उनका शारीरिक शोषण किया. इसके बाद तरुण तेजपाल को 30 नवंबर 2013 रेप केस में गिरफ्तार किया गया था.

राहत-आफत दोनों: 24 घंटों में 2.59 लाख कोरोना केस आए, मर गए 4209

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर अब कमजोर पड़ती

दिखाई पड़ रही है. कोरोना के मामले भले ही कम होने शुरू हो गए हैं लेकिन खतरा अभी कम नहीं हुआ है. कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच मौत का आंकड़ा अब डराने लगा है. स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2,59,551 नए मामले सामने आए हैं जबकि 4209 मरीजों को अपनी जान गंवानी पड़ी है. कोरोना के नए मामलों के बाद देश में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 2 करोड़ 60 लाख 31 हजार 991 हो गई है.देश में अब तक कोरोना से 2 लाख 91 हजार 331 लोगों की मौत हो चुकी है. महाराष्ट्र में भी कोरोना से काफी राहत मिलती दिख रही है.

30 लाख 27 हजार 925 सक्रिय मामले

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में अब तक कोरोना से 30 लाख 27 हजार 925 सक्रिय मामले हैं जबकि 2 करोड़ 27 लाख 12 हजार 735 लोग ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं. देश में अब तक कोरोना से 2 लाख 91 हजार 331 लोगों की मौत हो चुकी है. महाराष्ट्र में भी कोरोना से काफी राहत मिलती दिख रही है. बता दें कि महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के 29,911 नए मरीजों की पुष्टि हुई है और 738 लोगों की मौत हुई है. इसके बाद बृहस्पतिवार को कुल मामले 54,97,448 पहुंच गए हैं जबकि 85,355 लोगों की महामारी के कारण जान जा चुकी है. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बुधवार की तुलना में 4120 मामलों की कमी आई है.

म.प्र. में कोरोना के 4,952 नए मामले

मध्यप्रदेश में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 4,952 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही राज्य में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या 7,52,735 तक पहुंच गई है. पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से 88 और व्यक्तियों की मौत हुई है. मध्य प्रदेश में अब तक इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 7,315 हो गई है. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 1072 नए मामले इंदौर में सामने आए, जबकि भोपाल में 693 एवं जबलपुर में 336 नए मामले आए.

कोरोना महामारी में हो रही

मौतों पर भावुक हुए पीएम मोदी बोले- उन सभी को मेरी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की वजह से हर रोज हजारों की संख्या में मरीजों की मौतें देश को रुला रही हैं. कोई अपना पिता तो कोई मां को खो रहा, कोई को रिश्तेदार तो कोई बेटी या बेटा की लाशों को देख फूट फूटकर रहा है. यहां तक की आज कोरोना वायरस से हो रही मौतों को देखकर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी रोने लग गए. वाराणसी के स्वास्थ्यकर्मियों के साथ संवाद करते हुए बड़ी मौतों संख्या में पीएम नरेंद्र मोदी भावुक हो गए. भावुक हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस वायरस ने हमारे कई अपनों को हमसे छीना है. मैं उन सभी लोगों को अपनी श्रद्धांजलि देता हूं, उनके परिजनों के प्रति सांत्वना व्यक्त करता हूं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के स्वास्थ्यकर्मियों से संवाद किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि हर काशीवासी का धन्यवाद देता हूं. चिकित्साकर्मियों ने जो काम किया है, वो वाकई सराहनीय है. ये महामारी बहुत बड़ी है. हम अपने परिवार के कई सदस्यों को नहीं बचा पाए. इस वायरस ने हमारे कई अपनों को हम से छीना है. मैं उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं. मोदी ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में हमें कई मोर्चों पर एक साथ लड़ना पड़ रहा है. संक्रमण दर कई गुना ज्यादा है, मरीजों को अस्पतालों में ज्यादा दिन तक रहना पड़ रहा है. इससे हमारे हेल्थ सिस्टम पर बहुत बड़ा दबाव खड़ा हो गया है. उन्होंने कहा कि इस असाधारण परिस्थिति में भी हमारे डॉक्टर्स, हेल्थ वर्कर्स के इतने बड़े परिश्रम से ही इस दबाव को संभालना संभव हुआ है. आप सभी ने एक-एक मरीज की जीवन रक्षा के लिए दिन-रात काम किया. खुद की तकलीफ, आराम इन सबसे ऊपर उठकर जी-जान से काम करते रहे. पीएम मोदी ने कहा कि बनारस ने जिस स्पीड से इतने कम समय में ऑक्सीज़न और आईसीयू बेड्स की संख्या कई गुना बढ़ाई है, जिस तरह से इतनी जल्दी पंडित राजन मिश्र कोविड अस्पताल को सक्रिय किया है, ये भी अपने आपमें एक उदाहरण है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपके तप से, और हम सबके साझा प्रयासों से महामारी के इस हमले को आपने काफी हद तक संभाला है. लेकिन अभी संतोष का समय नहीं है, हमें अभी एक लंबी लड़ाई लड़नी है.

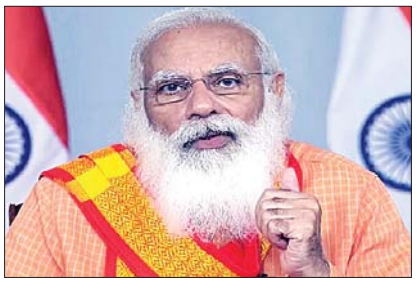

उन्होंने कहा कि अभी हमें बनारस और पूर्वांचल के ग्रामीण इलाकों पर भी बहुत ध्यान देना है. पीएम मोदी ने कहा कि अब हमारा नया मंत्र है 'जहां बीमार वहीं उपचार'. इस सिद्धांत पर माइक्रो-कंटेनमेंट जोन बनाकर जिस तरह आप शहर एवं गावों में घर घर दवाएं बांट रहे हैं, ये बहुत अच्छी पहल है. इस अभियान को ग्रामीण इलाकों में जितना हो सके, उतना व्यापक करना है.पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोविड के खिलाफ गांवों में चल रही लड़ाई में आशा और हरूबहनों की भी भूमिका बहुत अहम है. मैं चाहूंगा कि इनकी क्षमता और अनुभव का भी ज्यादा से ज्यादा लाभ लिया जाए. उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में हमने वैक्सीन की सुरक्षा को भी देखा है. वैक्सीन की सुरक्षा के चलते काफी हद तक हमारे फ्रंट लाइन वर्कर्स सुरक्षित रहकर लोगों की सेवा कर पाए है. यही सुरक्षा कवच आने वाले समय में हर व्यक्ति तक पहुंचेगा.

संबित पात्रा को ट्विटर का झटका, कांग्रेस टूलकिट को बताया मैनिपुलेटेड मीडिया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा को कांग्रेस पर कथित टूलकिट संबंधी लगाए गए आरोपों के बीच ट्विटर ने एक बड़ा झटका दिया है. ट्विटर ने संबित पात्रा के ट्वीट को मैनिपुलेटेड मीडिया करार दिया है. इस तरह से संबित पात्रा का कांग्रेस पर अफवाह और भ्रम फैलाने का दावा तथ्यात्मक रूप से सोशल मीडिया साइट ने सही नहीं पाया है. गौरतलब है कि भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा द्वारा 18 मई को एक ट्वीट किया गया था, जिसमें उन्होंने एक टूलकिट का हवाला देते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाया था. इसमें उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी एक टूलकिट के जरिए कोरोना कहर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि बिगाड़ने का काम कर रही है.

ट्विटर ट्रंप पर भी ले चुका है ऐसा ही एक्शन

गौरतलब है कि सोशल मीडिया ट्विटर की नीतियों के मुताबिक, अगर ट्वीट की गई किसी जानकारी का स्रोत सटीक नहीं है और उपलब्ध जानकारी भी गलत है तो इस तरह का लेबल लगाया जाता है. ये वीडियो, ट्वीट, फोटो या अन्य किसी भी कंटेंट पर लगाया जाता है. गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान डोनाल्ड ट्रंप के कई ट्वीट्स पर इस तरह का लेबल लगा दिया गया था.

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एनकाउंटर

पुलिस ने मार गिराए 13 नक्सली, शव बरामद

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आज फिर पुलिस और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर हुआ है. इस मुठभेड़ में

पुलिस ने 13 नक्सलियों को ढेर कर दिया है. **गढ़चिरौली।** महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आज फिर पुलिस और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर हुआ है. इस मुठभेड़ में पुलिस ने 13 नक्सलियों को ढेर कर दिया है. मारे गए सभी नक्सलियों के शवों को बरामद कर लिया गया है. यह मुठभेड़ गढ़चिरौली के एटापल्ली के जंगलों में महाराष्ट्र पुलिस की सी-60 यूनिट और नक्सलियों के बीच हुई है. हालांकि अभी तक बरामद शवों की पहचान नहीं हो गई है. इलाके में अभी पुलिस टीम का तलाशी अभियान चल रहा है. बता दें कि महाराष्ट्र के गढ़चिरौली इलाका छत्तीसगढ़ की सीमा से लगा हुआ है. यह पूरा क्षेत्र नक्सल प्रभावित है. बताया जा रहा है कि पुलिस टीम को इलाके में नक्सलियों के बारे में जानकारी मिली थी.

कांग्रेस पर मोदी सरकार के खिलाफ माहौल बनाने का आरोप

संबित पात्रा का दावा था कि कांग्रेस एक पीआर एक्सरसाइज़ कर रही है, जिसके ज़रिए कुछ बुद्धिजीवियों की मदद से सरकार के खिलाफ माहौल बनवाया जा रहा है. इस ट्वीट में एक कागज़ साझा किया गया, जिसमें कांग्रेस का लेटरहैड था और सोशल मीडिया पर किस तरह ट्वीट और जानकारी साझा करनी है, उसके बारे में बताया गया था. इसको लेकर इस वक्त अच्छी खासी राजनीति शुरू हो गई है. संबित पात्रा समेत बीजेपी के कई नेताओं के खिलाफ इसको लेकर एफआईआर कराई गई है. अब ट्विटर के इस एक्शन से बीजेपी पर कांग्रेस के हमले और तेज हो जाएंगे. इसके पहले एनएसयूआई ने दिल्ली में इस मामले में एफआईआर दर्ज करा ही दी। इसके अलावा कई और शहरों में भी केस दर्ज कराया गया है.

सोनू सूद के पोस्टर पर दूध चढ़ाते देख नाराज हो गई एक्ट्रेस

नई दिल्ली। जब से कोरोना आया है एक्टर सोनू सूद एक मसीहा बनकर उभरे हैं. सोनू ने इस महामारी में सिर्फ आम लोगों की ही नहीं बल्कि कई बड़े सितारों की भी मदद की है. पिछले कुछ दिनों में उन्होंने सभी जरूरतमंदों तक हर संभव मदद पहुंचाई है. देश में हर तरफ सोनू की तारीफ हो रही है. सोनू ने समय पर मदद पहुंचा कर कई लोगों की जिंदगी को बचाने का काम किया. इसी काम को देखते हुए कई लोग तो उन्हें भगवान की तरह पूजने लगे हैं. आंध्र प्रदेश से एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. इस वीडियो में लोगों ने सोनू सूद के पोस्टर पर दूध चढ़ाया है. आंध्र प्रदेश में चित्तूर जिले के श्रीकलाहस्ती में लोगों ने सोनू सूद के बड़े से पोस्टर पर दूध चढ़ाकर शुक्रिया अदा किया है. इन लोगों ने सोनू सूद के द्वारा कोरोना काल के कठिन समय में किए जा रहे काम के प्रति आभार जताया है. सोनू सूद ने खुद इस वीडियो को अपने ट्विटर हैंडल से पोस्ट कर लोगों को शुक्रिया कहा है. हालांकि इस बात पर टीवी एक्ट्रेस कविता कौशिक ने नाराजगी जताई. उन्होंने धन्यवाद कहने के लिए इस तरीको को दूध की बर्बादी बताया.

हफ्ते भर से घट रही टीकाकरण की दर, लक्ष्य से कोसों दूर हकीकत

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन को लेकर केंद्र और राज्यों की बीच चल रही नूराकुश्ती को भले ही वैक्सीन राजनीति करार दिया जा रहा है, लेकिन हकीकत यही है कि पूरा देश इस वक्त वैक्सीन की कमी से जूझ रहा है. कई राज्यों में तो टीके की कमी के कारण टीकाकरण केंद्रों को बंद करना पड़ा है. सरकार की आधिकारिक वेबसाइटों पर भी स्लॉट फुल मिल रहे हैं. यही वजह है कि मुंबई-दिल्ली, कर्नाटक, ओडिशा समेत कई राज्यों में टीकाकरण केंद्रों को बंद कर दिया गया है. दो महीने पहले जिस रफ्तार से टीकाकरण अभियान चल रहा था, वह सुस्त पड़ा हुआ है. पिछले सात दिन में इसमें जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है. 14 मार्च के बाद से देश में वैक्सीनेशन की भारी कमी हुई है. औसतन हर रोज 13.42 लाख लोगों को टीका लगाया जा रहा था, लेकिन गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि फिलहाल 11.66 लाख लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है।

राज्य सरकारों पर बढ़ा बोझ

दुनिया में भारत वैक्सीन बनाने का केंद्र होने के बावजूद अपनी कुल आबादी के 3 प्रतिशत से भी कम लोगों को हर रोज टीका लग पा रहा है. यह समस्या इसलिए पैदा हुई कि केंद्र ने पिछले साल वैक्सीन निर्माता कंपनियों को पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन बनाने के आर्डर नहीं दिए. साथ ही बड़ी मात्रा में वैक्सीन को अन्य देशों में भेज दिया गया. वहीं सरकार ने राज्यों पर अपने-अपने हिसाब से वैक्सीन कंपनियों से करार कर टीका मंगवाने की जिम्मेदारी सौंप दी है. हालांकि सरकार की इस नीति की जमकर आलोचना भी हो रही है.

वैक्सीन का लक्ष्य पूरा करना मुश्किल

वैक्सीन की कमी के कारण संक्रमण की अगली लहरों के बारे में चिंता बढ़ गई है. वहीं दूसरी ओर सरकार की तरफ से वैक्सीनेशन का लक्ष्य भी तय किया गया है. जुलाई तक 30 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाने का टारगेट दिया गया है. गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने भी 10 राज्यों के साथ जिलाधिकारियों की बैठक में साफ कहा था कि राज्यों की अपेक्षाओं के अनुरूप अगले एक पखवाड़े में कोविड-19 टीके उपलब्ध करा दिए जाएंगे. टीकों की कमी ऐसे समय सामने आ रही है, जब तमाम विशेषज्ञ चेता चुके हैं कि टीकाकरण से ही कोरोना की आने वाली लहरों से निपट जाने बचाई जा सकेगी.

अगस्त तक बढ़ेगा उत्पादन

पिछले दिनों केंद्र सरकार की ओर से बयान जारी किया गया कि अब तक 114 दिनों में वैक्सीन की 17 करोड़ डोज लगाई गई हैं. हालांकि लक्ष्य पूरा करने के लिए 60 करोड़ वैक्सीन डोज की जरूरत है. वहीं वैक्सीन उत्पादन करने वाली सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बायोटेक अगस्त तक बढ़ाने की बात कह रही है. दोनों कंपनियों ने सरकार को सूचित किया कि अगस्त तक वे क्रमशः 10 करोड़ और 7.8 करोड़ डोजों को अपने उत्पादन को बढ़ाएंगे.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोनः 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर...

मेहगांव पुलिस द्वारा किया गया पक्षपात के चलते की गई कार्यवाही

संतोष सिंह भदौरिया

मेहगांव थाना के अंतर्गत अजनोधा गांव में घटना में गाड़ी की तोड़फोड़ हुई जिसमें अजनोधा निवासी बिट्टू भदौरिया एवं उसके भाई पर गाड़ी के तोड़फोड़ और लोगों से मारपीट की एफ आई मेहगाव थाना में हुई। जबकि हकीकत में बिट्टू भदौरिया उस समय गांव में उपस्थित नहीं था किसी प्रोग्राम के सिलसिले में बाहर था, एफ आई आर में दर्शाया गया कि बिट्टू भदौरिया एवं उसके दोस्त और भाई ने गाड़ी को तोड़ा है और लोगों को मारा है जबकि गाड़ी तोड़ते समय वीडियो बनाया गया जिसमें दिखाया जा रहा है कि गाड़ी मालिक का जो ड्राइवर है वह खुद ही खंडे से गाड़ी को तोड़ रहा है जिससे साफ जाहिर होता है कि यह गाड़ी जानबूझकर तोड़ी गई है जिससे कि रंजबस बिट्टू भदौरिया पर इल्जाम लगाकर एफ आई आर की जा सके। यह सारा काम मेहगांव थाने में पदस्थ थानेदार सुरेश शर्मा के द्वारा की गई। जो कि एक निर्दोष व्यक्ति को जानबूझकर षड्यंत्र रच कर फंसाने की साजिश है। निर्दोष लोग के खिलाफ एफ आई आर होना एक षड्यंत्र के तहत कार्य करना प्रतीत हो रहा है जो कि पुलिस की कथनी और करनी में अंतर को बताता है। इस घटना की अखिल भारतीय महासभा घोर निंदा करती है और दोषियों के खिलाफ एफ आई आर करने की अपील करती है। साथ ही पुलिस अधीक्षक महोदय से अपील करती है कि ऐसे पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करें उन्हें तुरंत सस्पेंड करें और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए साथी अजनोदा निवासी बिट्टू भदौरिया पर की गई एफ आई आर की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। जैसा कि बताया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मेहगांव भिंड

वार्डवासियों की शिकायत के बाद खुली नगर परिषद की कुम्भकर्णीय नींद

दबोह(अर्पित गुप्ता)

सफाई व्यवस्था पर लाखो रोये खर्च होने के बाद भी नगर की सफाई व्यवस्था दम तोड़ती नजर आ रही है।इससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि पैसो का सिर्फ बन्दर बांट किया गया धरातल पर काम तो कुछ किया ही नही गया।दरअसल मामला लहार अनुभाग की नगर परिषद दबोह का है जहां पर दो दिन की बारिश ने ही नगर परिषद की पूरी पोल खोल दी।क्यों कि 2 दिन की बारिश में ही नगर के नाले नालियां चौक हो गए थे और तो और कई वार्डो में तो लोगो के घरों में तक पानी भर गया था।यहां बता दें कि नगर दबोह के वार्ड नम्बर 14 वासियों ने मुख्य नगर पालिका को लिखित रूप से शिकायत कर बताया कि वार्ड नम्बर 14 में एक व्यक्ति द्वारा शासकीय कच्ची भूमि पर अतिक्रमण कर पानी निकासी के रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है।जिसके बाद नगर परिषद की कुम्भकर्णीय नींद खुली और जेसीबी से नगर परिषद ने अवरुद्ध रास्ते को खुलवाया।वहीं वार्डवासियों ने सीएमओ को लिखे शिकायती पत्र में उसी जगह पर पक्की नाली बनवाने की भी अपील की है।वार्डवासियों ने बताया कि पानी निकासी का रास्ता अवरुद्ध होने की वजह से लोगो के घरों में बरसात का पानी भर जाता था जिससे बहुत परेशानी होती थी। चिंतनीय विषय तो यह है कि नगर परिषद की यह कुम्भकर्णीय नींद शिकायत के बाद ही क्यों खुलती है अगर नगर परिषद समय पर ध्यान दे तो ऐसी समस्या ही कभी उत्पन्न नही होगी।

राजीव गांधी की पुण्य तिथि पर पुष्प अर्पित कर किया वृक्षारोपण

संवाददाता बृजपाल सिंह गुर्जर
पुष्पांजलि टुडे मेहगांव

वृक्ष से मानव,पशु,पक्षियों को प्राणवायु मिलती हैं।-रामहरी शर्मा एड.

मेहगांव मेहगांव आज दिनांक 21/05/21 को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर स्थानीय मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पर पुण्यतिथि का कार्यक्रम कोविद का पालन करते हुए म.प्र. कांग्रेस कमेटी के महामंत्री रामहरी शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ सर्वप्रथम कार्यक्रम में पूर्वप्रधानमंत्री भारत रत्न स्व.राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तत्पश्चात उनकी स्मृति में छायादार,फलदार,औषधिय वृक्षारोपण किया गया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से म.प्र. कांग्रेस के महासचिव रामहरी शर्मा एड.ने वृक्षारोपण के पश्चात अपने संबोधन कहा कि स्व. राजीव गांधी के द्वारा किये गए विकाश कार्यो को देश हमेशा याद करेगा।राजीव जी देश के युवाओं की धड़कन थे।तथा उनकी याद में छायादार फलदार औषधीय पौधे रोपते हुये कहा कि आज देश में कोरोना जैसी जानलेवा महामारी के समय लोगों को ऑक्सीजन की आवश्यकता महसूस हो रही है ऑक्सीजन पूर्ति व पर्यावरण बनाये रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति जीवन में कम से कम दस पौधे अवश्य लगाए ।ऑक्सीजन पशु व पक्षियों की प्राण वायु है इसी क्रम में एडवोकेट अजमेर गुर्जर जिला महासचिव इलियास खान ,जिला सचिव संदीप शर्मा ,समाजसेवी सरदार गुर्जर, रमेश कांकर ने भी अपने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस के सचिव मनीश शिवहरे ने किया।अंत मे सभी का आभार एन. एस. यू.आई.विधानसभा अध्यक्ष अंकित तोमर ने किया। कार्यक्रम में म.प्र. कांग्रेस के महासचिव रामहरी शर्मा एड.,इलियास खान,अंकित तोमर विधानसभा अध्यक्ष, संदीप शर्मा, सरदार गुर्जर, मनीष शिवहरे, रमेश कांकर, बद्रीनाथ दंडोतिया, आशीष शर्मा, महावीर सिंह गुर्जर उपस्थित थे।

ब्लेक फंगस रोग से बचाव के लिए रखें सावधानियां

मुरैना। ब्लेक फंगस या म्युकोरमाइसिस रोग से बचाव व नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य सलाह आमजनो के लिए जारी की गई है। मध्यप्रदेष चिकित्सा षिक्षा एवं लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग द्वारा गाइडलाइन के अनुसार बताया गया है, कि कोविड-19 संक्रमण से प्रभावित तथा पोस्ट कोविड संक्रमण से निरोग हुए व्यक्तियों में ब्लेक फंगस रोग के प्रकरण प्रदेष में परिलक्षित हो रहे है।ब्लेक फंगस या इनवेसिव म्युकोरमईसिस एक फंगल संक्रमण है, जो की संक्रामक नहीं है।अर्थात एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को संक्रमण नहीं होता है। प्रायः यह संक्रमण रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमी वाले व्यक्तियों में, अनियंत्रित मधुमेह, ष्वसन गुर्दा रोग के रोगी, केंसर के रोगी, तथा मध्यम, गंभीर कोविड रोगियों में ही परिलक्षित हो सकता है।

36 घंटों में 33 मामले दर्ज, 36 अवैध देसी शराब कारोबारी गिरफ्तार

जिला पुलिस रियासी ने देसी शराब बनाने वालों के साथ-साथ देसी शराबका कारोबार करने वालों पर बड़ी

रघुबीर ठाकुर

कार्रवाई करते हुए पिछले 36 घंटों में 6 हजार लीटर लाहन नष्ट करने के साथ-साथ 150 लीटर हूच जब्त की है। वहीं, शराब बनाने का कच्चा माल भी जब्त किया गया है जिसकी क्षमता करीब 2000 हजार लीटर हूच बनाने की है। पुलिस ने इस संबंध में 36 शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया जबकि उनके खिलाफ 6 थानों में 33 मामले दर्ज किए हैं। जानकारी के अनुसार थाना अरनास की टीमों ने अरनास क्षेत्र में सिलसिलेवार छापेमारी की, जिसमें 16 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके लिए प्राथमिकी संख्या नंबर 33 से 48/2021 आबकारी अधिनियम के तहत आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में कृष्ण सिंह पुत्र धरम सिंह निवासी थनोल, उपदेश सिंह पुत्र विकरू निवासीअरनास, कुलदीप सिंह पुत्र राम सरन निवासी चकलवाला थनोल, सुखदेव सिंह पुत्र सोबा राम निवासी लड्डा थनोल, सीता राम पुत्र सरवन निवासी सावलाकोट, रोमेश चंद पुत्र प्रेम चंद निवासी कैंठी, प्रेम सिंह पुत्र मोती राम निवासी मतलोत, गीता देवी पुत्री बसंतराम निवासी कथान, अरनास, सुनीता देवी पती काकू राम निवासी कथान अरनास, अंग्रेज सिंह पुत्र पंजाब सिंह निवासी कंथान अग्नास, जगदीश सिंह पुत्र वीर सिंह निवासी डुग्गा, अरनास, बलदेव सिंह पुत्र सरवन मल निवासी जीज कसीरी, मोफा राम पुत्र नेफा निवासी धनोड़ अरनास के रूप में हुई है। वहीं, रियासी में सलाल, भमाग, डेराबाबा, तलवाड़ा, पौनी और भांवला क्षेत्र में सिलसिलेवार छापेमारी कर 16 शराव के तस्करों को अवैध शराब के साथगिरफ्तार किया गया है, जिसमें प्राथमिकी संख्या 102 से 111/2021 अंडर सैक्शन

48(ए)(ई) आबकारी अधिनियम के तहत थाना रियासी में मामला पंजीकृत हैं। वहीं, पकड़े गए। आरोपियों की पहचान चरण सिंह पुत्र बलदेव, गुलविंद्र सिंह पुत्र बलदेव सिंह, सुरजीत सिंह पुत्र गुलविंद्र सिंह निवासी बबर ब्राह्मणा, त्रिलोक चंदपुत्र राम सरन निवासी टांडा रियासी, चुटकी पुत्र हंस राज निवासी बबर, खरेब सिंह पुत्र संसार चंद निवासी सुजनधार, पूरन सिंह पुत्र रॉकी राम निवासी प्राणकोट, तहसील ठाकराकोट जोकि इस समय प्रवासी कॉलोनी शिविर तलवाड़ा में रह रहा है। लाल सिंह पुत्र धर्म सिंह राजपूत निवासी कैठी तहसील थूरू जोकि इस समयप्रवासी कॉलोनी शिविर तलवाडा में रहा रहा है। राज कुमार पुत्र संसार चंद निवासी सुजनधार तहसील भमाग, जगदीश सिंह पुत्र संसार चंद निवासी सुजनधार तहसील भमाग, कुलदीप सिंह पुत्र गुलाब सिंह निवासी सलाल खड, कुल्ल देवी पत्नी पंजाब सिंह निवासी सलाल खड्ड एवं मोहन सिंह पुत्र चरण दास ठाकुर निवासी सरोटकोट के रूप में की गई है। इसी तरह थाना पौनी में प्राथमिकी संख्या 22, 23 और 24/2021 आवाकारीअधिनियम के तहत दर्ज किया गया है और तीन शराब कारोबारियों जिनकी पहचान करण सिंह पुत्र हेम सिंह निवासी ब्यूलिया पौनी, रतन सिंह पुत्र छत्तू राम निवासी भारख पौनी, काली दास पुत्र सीता राम पुत्र भांबला को गिरफ्तार किया गया है। माहौर और चसाना क्षेत्र में तीन आरोपियों जरनैल सिंह पुत्र बलदेव सिंह निवासी चसाना, कमलेश सिंह पुत्र दीवान सिंह निवासी माहौर एवं बलजीत सिंह पुत्र पूरन सिंह निवासी वठोई के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्राथमिकी संख्या 16, 23 एवं 24 दर्ज की गई है जबकि रघुबीर सिंह पुत्र विचित्र सिंह निवासी कटडा के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत पंजीकृत है। यह पूरा ऑपरेशन एक युद्ध नशे के विरुद्ध के बैनर तले एसएसपी रियासी शैलेंद्र सिंह की निगरानी में शुरू किया गया था तथा पिछले 36 घंटे से जिला रियासी के विभिन्न इलाकों में लाहन व अवैध शराब की दुकानों को नष्ट कर दिया और अवैध शराव को जब्त कर लिया। रियासी पुलिस ने पिछले दो महीनों में 76 अपराधियों के खिलाफ आवकारी अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम में 59 मामले दर्ज किए हैं। वीरवार को एसएसपी रियासी शैलेन्द्र सिंह ने प्रेस वार्ता कर देसी शराब के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी।

एसडीएम गोहद के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

तहसील समिति गोहद द्वारा 21 मई विरोध दिवस मनाया गया आज गोहद में एसडीएम गोहद के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया जिसमें कोरोना महामारी के समय में सरकार और उसके प्रशासन द्वारा जिस तरीके से मानवता को शर्मसार किया जा रहा है उसके खिलाफ सात सूत्रीय मांग पत्र माकपा ने सौंपा जिसमें कोरोनावायरस कॉल कमेटियों का गठन किया गया उस समय राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल होने के नाते सीपीएम को शामिल नहीं किया गया उसे शामिल किया जाए। 21 मई विरोध दिवस की मांगों । इनमें सभी स्त्रोतों से- घरेलू और विदेशों से भी व्यापक पैमाने पर टीकों की व्यवस्था की जाए और युद्ध स्तर पर सबको टीके लगाये जाने, केंद्रीय बजट में टीकाकरण के लिए आवंटित 35000 करोड़ के बजट को खर्च किये जाने, सेंट्रल विस्टा (नए मोदी महल और संसद भवन) के निर्माण के काम को तुरंत रोक कर उसके लिए आवंटित 20 हजार करोड़ रुपए को ऑक्सीजन और उपकरणों व दवाओं की उपलब्धता पर खर्च किये जाने, सभी जरूरतमंदों को मुफ्त में राशन मुहैया कराने, उस राशन में केरल की तरह सभी 17 आवश्यक वस्तुओं को शामिल करने, आयकर टैक्स न देने वाले समस्त परिवारों के खाते में 6000 रुपए प्रति माह जमा करने, किसी भी जांच से परे और निजी बना दिए गए पीएम केयर फंड में से पैसा निकाल कर ऑक्सीजन और अन्य चिकित्सा उपकरण और टीके खरीद कर जनता को लाभ पहुंचाने का काम किया जाना चाहिए ज्ञापन देने वालों में माकपा जिला सचिव ओमप्रकाशबाथम और माकपा तहसील सचिव व भारत की जनवादी नौजवान सभा के राज्य महासचिव भूपेंद्र सिंह गुर्जर नौजवान सभा के नेता साबिर खान फरमान खान नगर संयोजक स्त्र4द्धद्ध गोहद गुलजार पठान आशिक खान सलमान खान गुरुजी साबिर खान दानिश खान रहीस शेख इब्राहिम खान इत्यादि।

महाविद्यालयों में वैकल्पिक विशय के रूप में शामिल होगा एन.सी.सी.

मुरैना। सभी महाविद्यालयों के छात्र एवं छात्राएं अब एन सी सी एक वैकल्पिक विशय के रूप में ले सकेंगे। नई षिक्षा नीति के तहत बतौर वैकल्पिक विशय के रूप में महाविद्यालयों में षामिल करने की सिफारिस की गई थी, जिसे यू जी सी द्वारा स्वीकार करने के बाद मंजूरी दे दी गई है। यू जी सी द्वारा देष भर के सभी सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में एन सी सी को एक विशय के रूप में षामिल किया जायेगा। इस विशय में 8 चेप्टर थ्योरी के, 6 प्रेक्टिल एवं 10 चौप्टर कैम्प के होंगे। इस संबंध में कमान अधिकारी ने बताया कि विष्वविद्यालयों के कुलपति एवं कुलसचिवों से इसी वर्श से एन सी सी को एक वैकल्पिक विशय के रूप में षामिल करने की बातचीत की जायेगी, इससे इच्छुक छात्र एवं छात्राओं को षीघ्र ही लाभ मिल सकें। एन सी सी विघार्थियों में अनुषासन, चरित्र निर्माण एवं निस्वार्थ सेवा भाव विकसित करने का कार्य 1948 से कर रही है। एन सी सी ने कई अधिकारी इस देष को दिये है। भारतीय सेना जैसे गौरवमयी क्षेत्र में अपना भविश्य बनाने के इच्छुक विघार्थियों के लिये एन सी सी एक महत्वपूर्ण विशय साबित होगा। अभी तक एन सी सी में स्थान सीमित होने के कारण अनेक छात्र एवं छात्राएं एन सी सी लेने से छूट जाते थे, किन्तु वैकल्पक विशय के रूप में षामिल होने से एन सी सी का लाभ सभी विद्यार्थी उठा सकते है एवं सेना में षानदार कैरियर बना सकते है।

आशा उषा आशा सहयोगियों को आने वाली समस्याओं को लेकर प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा सीएम शिवराज को पत्र

लहार(अर्पित गुप्ता)। वर्षों से शासन एवं विभाग द्वारा हमारे कार्य एवं मांगों की अनदेखी किए जाने के कारण आशा उषा एवं सहयोग ने कार्यकर्ताओं में निराशा एवं असंतोष की भावना व्याप्त है और कोविड-19 महामारी के भयानक दौर में बगैर स्पष्ट प्रशिक्षण एवं सुरक्षा संसाधन के हम कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में कार्य करने के लिए भेज दिया गया है जिस कारण से हमारे संगठन के द्वारा एक दिवसीय कार्य बंद हड़ताल की घोषणा की गई है और यह पत्र नेशनल हेल्थ मिशन संचालक माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश स्वास्थ्य मंत्री मध्य प्रदेश अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य सचिव एवं ज्योतिरादित्य सिंधिया राज्यसभा सांसद जी को भेजा गया है क्योंकि कार्यस्थल पर हम कार्यकर्ताओं के साथ कई बार अभद्रता एवं हमलों की घटनाएं घटित हो चुकी हैं उन पर कड़ी कार्यवाही नहीं होने के कारण इस तरह की घटनाओं को बढ़ावा मिलता है तथा कार्यकर्ताओं का मनोबल कमजोर होता है क्योंकि हम स्वास्थ्य कार्यकर्ता होने के साथ-साथ सर्वप्रथम एक महिला है इसलिए हमारे सम्मान को ठेस पहुंचाने वालों के प्रति कठोर एवं दंडात्मक कार्यवाही अति शीघ्र होनी चाहिए इसके लिए हमारे संगठन के माध्यम से यह पत्र माननीय प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी तक पहुँचे एवं इसपर संज्ञान लिया जाए।

कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर 24 दुकानों को किया गया सील

रितेश कटरे ब्युरो चीफ

बालाघाट। कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए बालाघाट जिले में 31 मई 2021 तक के लिए जनता कर्फ्यू लगाया गया है। और इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में 21 मई को बालाघाट तहसीलदार श्री रामबाबू देवांगन द्वारा बालाघाट नगरीय क्षेत्र की 24 दुकानों को कर्फ्यू का उल्लंघन कर खुली रखने के कारण सील कर दिया गया है। कर्फ्यू का उल्लंघन करने के कारण बालाघाट शहर में गायखुरी रोड की 06 किराना दुकान, मोतीनगर में 03 दुकानें, कोसमी-सरेखा रोड की 05 दुकाने, केसर प्लाजा में 02 सैलून, धनराज कंपलेक्स की 04 चार दुकान और गुजरी की 04 दुकानों को कर्फ्यू का पालन ना करने के कारण तहसीलदार बालाघाट द्वारा नगर पालिका और राजस्व अमले की उपस्थिति में सील किया गया और दुकान संचालकों को समझाइश दी गई कि वे प्रशासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करें।

लगातार 4 दिन बारिश होने से शहर में सड़कें धंसीं आवागमन प्रभावित

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा – एटा शहर में लगातार चार दिन से हो रही बेमौसम बारिश ने लोगों का निकलना दूभर कर दिया है।शहर में चार दिन से हो रही बारिश से कई जगह सड़कें धंस गई। जगह-जगह जलभराव और कीचड़ हो गया। सड़क-गलियों के अलावा लोगों के घरों के अंदर तक पानी भर गया। मंगलवार से शुरू हुई बारिश ने चौथे दिन शुक्रवार को भी रुक-रुक कर चली बारिश से हालात और बिगड़ गए। गलियां-सड़कें धंसने से उनमें वाहन फंसते नजर आए। साथ ही हादसों का भी खतरा बना रहा। शहर के वार्ड संख्या दो के मोहल्ले संजय नगर, वर्मा नगर, आंबेडकर नगर, किशन विहार के अलावा वार्ड आठ के दिनेश नगर के हालात ज्यादा खराब हैं। घरों के दरवाजे के बाहर कीचड़ और जलभराव के कारण लोग बाहर तक नहीं निकल सके। शांति नगर, सिविल लाइन में कर्मचारी आवास कॉलोनी आदि इलाकों में पानी घरों के अंदर तक घुस गया।पांच छः माह पहले सीवर लाइन बिछाने के बाद से गलियां उखड़ी पड़ी हैं। बेमौसम बारिश से कीचड़ और फिसलन हो गई। पैदल व दोपहिया वाहन चालक इन गलियों में निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। वर्मा नगर मोहल्ले में एक गली की मिट्टी जमीन में धंस गई जिससे वहां गहरा गड्ढा हो चुका है। मोहल्ले वासियों का कहना है कि सीवर लाइन बिछाने के बाद वहां पर गुणत्तापूर्ण काम नही कराया गया। जिसके चलते जलभराव हुआ है। जेल रोड स्थित आनंदपुरी जाने वाले मार्ग पर भी सीवर लाइन के काम के बाद मरम्मत तो कर दी गई लेकिन बारिश होने के बाद इसकी हकीकत सामने आ गई। बृहस्पतिवार को दोपहर में ईंट से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली का पहिया सड़क में धंस गया। जिसकी वजह से चार पहिया वाहनों का आवागमन घंटों बंद रहा। फसल के लिए बारिश संजीवनी जिला उद्यान अधिकारी नलिन सुंदरम भट्ट ने बताया कि किसान टमाटर, लौकी, काशीफल, खीरा आदि सब्जियां उगा रहे हैं। गर्मी के मौसम में बारिश सब्जी की फसल के लिए संजीवनी साबित हो रही है। जिले में इससे किसी भी तरह की हानि नहीं हुई है।

विधायक ने कार्यकर्ताओं के साथ बंगले पर मनाई राजीव गांधी की पुण्यतिथि

पुण्यतिथि पर अस्पताल में किए फल सएवं मास्क वितरण, ठेकेदारों द्वारा की जा रही है अवैध वसूली रोकने के लिए ऑटो चालकों ने दिया ज्ञापन

गोहद द्विविधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित विधायक मेवाराम जाटव ने कार्यकर्ताओं के साथ अपने बंगले पर पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई जहां पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष टोनी मुद्गल ने लोगों को संबोधित किया साथ ही लगभग एक दर्जन कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के जीवन पर प्रकाश डाला वही अपने उद्बोधन में विधायक मेवाराम जाटव ने कहा की राजीव गांधी एक होनहार प्रधानमंत्री थे जिन्होंने अपनी जान की चिंता किए बगैर देश के लिए बहुत कुछ करने का सोचा उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि राजीव गांधी ने अपने उद्बोधन में एक बार कहा था कि हम केंद्र से जो विकास के लिए पैसा भेजते हैं वह मुख्य जगह तक पहुंचते-पहुंचते एक रुपए का 10 पैसा रह जाता है और जब तक यह भ्रष्टाचार कम नहीं होगा तब तक हम विकास से कोसों दूर रहेंगे वहीं उन्होंने किसानों की समस्याओं को लेकर कहा किसान भाजपा सरकार में परेशान है कोरोना खत्म होते ही किसानों की समस्याओं को लेकर आंदोलन किए जाएगे कार्यकर्ताओं

को इकट्ठा करके मीटिंग ली जाएगी जिसमें सभी से विकास से संबंधित सुझाव लिए जाएंगे और अधिकारियों को भी निर्देशित किया जाएगा किसी को कोई परेशानी ना होने दें और सभी के काम समय पर करें भाजपा सरकार द्वारा जहां जहां कांग्रेस के विधायक हैं वहां पर विकास में रोड़ा अटकाया जा रहा है लेकिन हम क्षेत्र की जनता के साथ खड़े हैं आवश्यकता पड़ी तो हम आंदोलन भी करेंगे लेकिन जनता की समस्याओं को हल कराने का प्रयास करेंगे कार्यक्रम का मंच संचालन किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आशीष गुर्जर ने किया कार्यक्रम के पश्चात बाजार में चल रहे छोटे छोटे ओटो टमटम चालकों की नगर पालिका द्वारा किए गए अस्थाई दखल ठेके के ठेकेदार द्वारा अवैध रूप से वसूली करने पर रोक लगाने की मांग की ऑटो चालकों ने विधायक से मांग करते हुए ज्ञापन के माध्यम से मांग करते हुए कहा कि लॉकडाउन के कारण हम मजदूरी करने में भी मजबूर हैं जो भी थोड़ी बहुत मजदूरी मिलती है उसे ठेकेदार द्वारा ?25 की रसीद के प्रिंट काट कर ?30 कर दिए जाते हैं और जबरदस्ती वसूल किए जाते हैं नहीं देने पर वह मारपीट करते हैं इसलिए अवैध वसूली बंद की जाये इस अवसर पर डॉ राजकुमार देश लहरा नरोत्तम चौरसिया कैलाश माहोर गायत्री माहौर बबलू बरैया देवेंद्र पाठक राजेंद्र परिहार सहित लगभग एक सैकड़ा लोग मोजूद थे।

देश से कोरोना महामारी का जल्द होगा खात्मा: दंदरौआ धाम महंत

लाज तुम्हारे हाथ है बचाये रखना-प्रधुम्न सिंह तोमर, डॉक्टर हनुमान से विनती करने दंदरौआ धाम पहुंचे कोविड प्रभारी मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर

भिण्ड(अर्पित गुप्ता)। कोरोना की महामारी जिस तरह से सम्पूर्ण देश मे फैल रही है वह वास्तविक में चिंतन का विषय है।कोरोना वायरस संक्रमण के चलते मप्र शासन के ऊर्जा मंत्री,कोविड प्रभारी प्रधुम्न सिंह तोमर गुरुवार को क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल दंदरौआ धाम पहुँचे।वहां पहुंचकर श्री तोमर ने डॉक्टर हनुमान की उपाधि से पहचाने जाने वाले दंदरौआ सरकार के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तदोपरांत श्री तोमर ने डॉक्टर हनुमान के चरणों मे शीष झुकाकर देश-प्रदेश में फैले कोरोना संक्रमण से मानव जीवन पर आए संकट से मुक्ति और देशभर की जनता के लिए सुख,समृद्धि व कल्याण के लिए कामना की।तत्पश्चयात श्री तोमर ने दंदरौआ धाम के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 रामदास जी महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया और उनका आशीर्वाद भी लिया।

डॉक्टर हनुमान की असीम कृपा से होगा कोरोना का खात्मा-महंत दंदरौआ धाम- दंदरौआ सरकार डॉक्टर हनुमान को यूं ही डॉक्टर की उपाधि से नही पहचाना जाता है।उनके पास हर रोग हर बीमारी का इलाज है इसलिए उन्हें डॉक्टर की उपाधि से लोग पहचानते हैं।तो वहीं दंदरौआ सरकार महंत श्री श्री 1008 रामदास जी महाराज ने कोरोना के चलते देशभर की जनता से अपील करते हुए कहा कि जनता शासन के नियमो का पालन करे।शासन द्वारा जनता के हित के लिए कोरोना कर्फ्यू लगाया गया है इसलिए उनका समर्थन करते हुए सभी लोग घरों में रहें।सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलें।समय समय पर सेनेटाइजर का उपयोग करें।किसी से मिलते समय उचित दूरी व मास्क का उपयोग करें।महाराज श्री ने बताया कि डॉक्टर हनुमान जी की असीम कृपा से जल्द देश से कोरोना का खात्मा होगा।यहां बताना मुनासिब होगा कि कोरोना महामारी के चलते दंदरौआ सरकार धाम पर नित्य हवन,हनुमान बाहुक पाठ,महा मृत्युंजय जाप,विशेष

रूप से अखण्ड सीता राम नाम धुन विगत कोरोना काल से चल रही है।

ऊर्जा मंत्री ने दंदरौआ धाम पर किया वृक्षारोपण-कोरोना महामारी से निजात पाने की विनती लेकर दंदरौआ धाम पहुंचे ऊर्जा मंत्री कोविड प्रभारी प्रधुम्न सिंह तोमर ने दंदरौआ धाम में वृक्षारोपण किया।उन्होंने कहा कि एक वृक्ष सौ पुत्रों के बराबर होता है इसलिये सभी लोग वृक्ष अवश्य लगाएं क्यों कि आज के समय मे वृक्षो की अति आवश्यकता है।यहां बता दें कि दंदरौआ धाम स्तिथ 100 बीघा जमीन में 11,000 पौधे लगाने के लक्ष्य के साथ ऊर्जा मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर ने दंदरौआ सरकार महंत श्री श्री 1008 रामदास जी महाराज की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया।

डॉक्टर हनुमान की असीम कृपा से होगा कोरोना का खात्मा-महंत दंदरौआ धाम- दंदरौआ सरकार डॉक्टर हनुमान को यूं ही डॉक्टर की उपाधि से नही पहचाना जाता है।उनके पास हर रोग हर बीमारी का इलाज है इसलिए उन्हें डॉक्टर की उपाधि से लोग पहचानते हैं।तो वहीं दंदरौआ सरकार महंत श्री श्री 1008 रामदास जी महाराज ने कोरोना के चलते देशभर की जनता से अपील करते हुए कहा कि जनता शासन के नियमो का पालन करे।शासन द्वारा जनता के हित के लिए कोरोना कर्फ्यू लगाया गया है इसलिए उनका समर्थन करते हुए सभी लोग घरों में रहें।सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलें।समय समय पर सेनेटाइजर का उपयोग करें।किसी से मिलते समय उचित दूरी व मास्क का उपयोग करें।महाराज श्री ने बताया कि डॉक्टर हनुमान जी की असीम कृपा से जल्द देश से कोरोना का खात्मा होगा।यहां बताना मुनासिब होगा कि कोरोना महामारी के चलते दंदरौआ सरकार धाम पर नित्य हवन,हनुमान बाहुक पाठ,महा मृत्युंजय जाप,विशेष रूप से अखण्ड सीता राम नाम धुन विगत कोरोना काल से चल रही है।

ऊर्जा मंत्री ने दंदरौआ धाम पर किया वृक्षारोपण-कोरोना महामारी से निजात पाने की विनती लेकर दंदरौआ धाम पहुंचे ऊर्जा मंत्री कोविड प्रभारी प्रधुम्न सिंह तोमर ने दंदरौआ धाम में वृक्षारोपण किया।उन्होंने कहा कि एक वृक्ष सौ पुत्रों के बराबर होता है इसलिये सभी लोग वृक्ष अवश्य लगाएं क्यों कि आज के समय मे वृक्षो की अति आवश्यकता है।यहां बता दें कि दंदरौआ धाम स्तिथ 100 बीघा जमीन में 11,000 पौधे लगाने के लक्ष्य के साथ ऊर्जा मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर ने दंदरौआ सरकार महंत श्री श्री 1008 रामदास जी महाराज की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया।

माताजी के निधन पर स्मृति में 16 संस्थाओं को 3.25 लाख के दान की घोषणा

बिलाड़ा, जोधपुर ~ समय की मांग को देखते हुए अधिकांश शेक्षणिक गतिविधियों के लिए, गोपाराम चौधरी,पंवार (सेवानिवृत अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन विभाग) अध्यक्ष, सीरवी शिक्षा विकास समिति, राजस्थान व राष्ट्रीय समन्वयक, नशा मुक्ति एवं समाज सुधार अभियान के माताजी श्रीमती सिगी देवी उम्र 90 वर्ष धर्मपत्नी स्व. श्री उर्जाराम पंवार, सीरवी का आकस्मिक निधन, रविवार दि 16.05.2021 को दोपहर बाद 5.00 बजे, बेरा-बादेला धोरायत, उचियारड़ा, बिलाड़ा, जिला जोधपुर में हुआ, तथा दि. 17 को अन्तिम संस्कार बाणगंगा पर किया गया, पीहर पक्ष का उठावणा -सेपटा परिवार बेरा भडेट, देवरिया, जैतारण के यहां से बुधवार दि.19 को हुआ तथा दि. 20 को बाहरवें की रस्म खिजमतियाँ सहित सोग की रस्म भी साथ साथ सरकार की कोरोना गाईड लाईन की पालना करते हुए पूरी सादगी के साथ कुरितियों एवं रूढिवादी परम्पराओं से दूरी रखने के प्रयासों व नशा मुक्ति के साथ सम्पन्न की गई।

इस अवसर पर परिवार ने स्व. माताजी की स्मृति में दि.16 के निधन के मध्यनजर 16 संस्थाओं को 3.25 लाख रू. की राशि का दान पुण्य के साथ साथ गायों हेतु चारा, पक्षियों हेतु चुग्गा व चिट्टियों हेतु किड़ीनगरा के लिए भी की घोषणा की गई। **राशि निम्नानुसार हैं-** एक लाख रूपये दिल्ली सीरवी छात्रावास निर्माण हेतु, एक लाख रूपये जयपुर सीरवी छात्रावास निर्माण हेतु, बीस हजार रुपये उदयपुर सीरवी छात्रावास निर्माण हेतु, बीस हजार रूपये सीरवी शिक्षा समिति, बिलाड़ा को श्री आईजी महिला महाविद्यालय, बिलाड़ा के लिए, बीस हजार रूपये - सीरवी समाज जोधपुर (कोचिंग संस्थान हेतु दस हजार व छात्रावास मरम्मत हेतु दस हजार रूपये), दस हजार रू. श्री आईजी बालिका विद्यापीठ, जवाली- रानी, पाली को सहयोग, दस हजार रू.सीरवी शिक्षा विकास समिति, राजस्थान (समाज की इंजीनियरिंग व डॉक्टरी शिक्षा प्राप्त सदस्यों की संस्था), दस हजार रू. एम बी एम इंजीनियरिंग कॉलेज (जोधपुर गर्ल होस्टल), दस हजार रूपये गोशालाओं हेतु, पाँच हजार रूपये सीरवी परगना नवयुवक मंडल, बिलाड़ा को। पाँच हजार रू.भारत विकास परिषद, जोधपुर, चार हजार रूपये सीरवी समाज उचियारड़ा, बिलाड़ा चार हजार रूपये - असहाय बच्चों के छात्रावास हेतु। दो हजार पाँच सो रूपये सेवानिवृत सिचाई अभियंता आफिसर्स संघ, जोधपुर। दो हजार पाँच सो रूपये सीरवी ज्ञान कोष सेवा संस्था को। दो हजार रुपये राजीव नगर विकास समिति, जोधपुर। गोपाराम चौधरी, पंवार सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन विभागअध्यक्ष सीरवी शिक्षा विकास समिति राजस्थान एवं राष्ट्रीय समन्वयक नशा मुक्ति एवं समाज सुधार अभियान।

श्योपुर विधायक बाबू जंडेल ने न्यू बस स्टेण्ड का किया दौरा जली हुई बसों का लिया जायजा

श्योपुर। पंडित दीनदयाल एकीकृत न्यू बस स्टैंड पर रात को अचानक बसों में लगी आग से हुए नुकसान का जायजा लेने आज विधायक जी पहुंचे विधायक जी ने मौके पर पहुंचकर जिला प्रशासन से बात की के यह आग कैसे लगी इसकी जांच होना चाहिए क्योंकि पिछले महीनों में यह तीन बार आग लग चुकी है ऐसी क्या वजह है यहां पर

बार-बार आग लग रही है यह कोई षड्यंत्र तो नहीं इसका पता लगाना चाहिए इससे पहले दो बार सब्जी मंडी में भी आग लग चुकी है उसमें भी लाखों का नुकसान हुआ है आज भी कई बसें जलकर राख हो गई प्रशासन से में मांग करूंगा की एसी घटना दोबारा ना हो इसके लिए यह पता लगाना जरूरी है की आग लगने की वजह क्या है इस दौरान विधायक जी के साथ विधायक प्रतिनिधि सिराज दाऊदी भी मौजूद थे प्रशासन ने विधायक जी को आश्वासन दिया किस की गहराई से जांच की जाएगी और अगर किसी ने जानबूझकर ही आग लगाई है उसको बख्शा नहीं जाएगा।

औरैया के भीम आर्मी संगठन की टीम को एक और झटका

जिला औरैया के भीम आर्मी संगठन के जिला अध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार कबीर को दिनाँक 26 जून 2020 को जिला अध्यक्ष बनाया गया था, और जिले की जिम्मेदारी जब आई जी जिला अध्यक्ष धीरेन्द्र कबीर ने और जिले के सभी पदाधिकारी ने जिम्मेदारी खूबी निभाई, कही किसी गरीब या पीड़ित की मदद कि और किसी महिला या किसी दलित समाज के साथ हो रहे अत्याचार को कानून कार्यवाही कराकर दोसियों को सजा दिलाई औरैया जिले की भीम आर्मी नारी सम्मान मै खरी उतरती रही है और औरैया जिले मै कही कोई घटना होती है तो जैसे घटना की जानकारी पता चला है तो भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष और भीम आर्मी के मीडिया प्रभारी तत्काल पहुँचते। लेकिन कार्यकरते करीब 300 मामले को पर लोगों न्याय पक्ष से न्याय दिलाया है जिला अध्यक्ष धीरेन्द्र कबीर को दिनाँक 18-5-2021 को पता चलता कि जिला अध्यक्ष से हटा दिया गया है और जिला अध्यक्ष मुन्ना खाँन को बना दिया गया है। जिला अध्यक्ष धीरेन्द्र कबीर ने जब हटाए जाने का कारण पूछा भीम आर्मी मंडल अध्यक्ष धीरेन्द गौतम से बताते आपको मंडल महा सचिव बना दिया गया है लेकिन धीरेन्द्र कबीर के कहना कि जिला अध्यक्ष से बिना बताये और बिना अवगत कराये कोई जानकारी देये बिना मुझे जिला अध्यक्ष पद से क्यों हटाया गया है जब मुझे आपने मंडल महासचिव बनाया गया तो मेरा फर्ज बनता भीम आर्मी जिला अध्यक्ष किसे बनाया जाये।और जिले भीम आर्मी संगठन के पदाधिकारियों का कहना कि आज जो जिला अध्यक्ष धीरेन्द्र कबीर के साथ हुआ वो बरताव मेरे साथ ना हो। जिले सभी करीब 1200 भीम आर्मी पदाधिकारी कि आक्रोश है और आरोप लगाया है कि संगठन मैं कुछ पदाधिकारी गैर कानूनी तरीके से काम करना बिना कारण जिलाध्यक्ष को परिर्वतन करना और भीम आर्मी संगठन मंडल के कुछ संगठन वरिष्ठ पदाधिकाररियों की बजह से मै जिलामहासचिव एडवोकेट अफजाल खाँन, जिला मीडिया प्रभारी रविन्द्र कुमार गौतम ,औरैया विधान सभा अध्यक्ष अमन प्रताप सिंह, औरैया विधान सभा प्रभारी संदीप भारती,नगर अध्यक्ष मुनेन्द्र कुमार दिनकर, नगर महासचिव पर्वत सिंह,नगर संगठन सचिव राहुल सिंह, नगर कोष्ठक अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार, औरोक्स ब्लाक अध्यक्ष विकास अमबेडकर वादी, ग्राम अध्यक्ष रुदौली धीरज, ग्राम अध्यक्ष बरमुपुर अवनीश, ग्राम अध्यक्ष नरोत्तमपुर ह्दय कुमार गौतम एं करीब 80 ग्राम अध्यक्ष एंव 1000 कार्यकताओं दिया भीम आर्मी से दिया स्टीफा और कहा भीम आर्मी संगठन से हमारा कोई मतलब नहीं है।

जिले में कोरोना संक्रमण रोकने की कार्यवाही जारी

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में नोबल कोरोना वायरस कोविड-19 के अंतर्गत श्योपुर जिलें में संक्रमण को रोकने के लिए विभिन्न प्रकार के उपाय किये जा रहे है। साथ ही समय-समय पर मिलने वाले संक्रमित मरीजो को कोरोना से निजात दिलाने की कार्यवाही जारी है। सीएमएचओ ने बताया कि कोरोना संक्रमण की दिशा में राज्य/अन्य राज्यों से आये 17313 यात्रियो की स्क्रीनिंग कार्य मेडीकल टीम द्वारा समय-समय पर कराने की सुविधा दी गई है। जिसमें विदेश भ्रमण से आये 64 व्यक्तियों को स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई। इसी प्रकार विदेश से आये इतने ही व्यक्तियों को होम कोरेनटाईन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। साथ ही उनका होमकोरेनटाइन का पीरियड भी पूर्ण हो चुका है। इसके अलावा विदेश से आये 02 यात्री जिले मे वापिस नही लौटे है। इसी प्रकार जिले में होम कोरेनटाईन किये गये 17550 व्यक्तियों में से 17550 को घर भेजा जा चुका है। इसके अलावा 71273 व्यक्तियों के सेम्पल लिये जा चुके है। साथ ही 3815 कोरोना वायरस सेम्पल रिपोर्ट पॉजीटिव पाई गई थी। इसी प्रकार कोरोना वायरस सेम्पल में 66445 व्यक्तियों की जानकारी नेगेटिव पाई गई है सीएमएचओ श्योपुर द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार 364 व्यक्तियों की सेम्पल रिपोर्ट प्राप्त नही हुई है। इसके अलावा 579 कोरोना वायरस सेम्पल पैथोलॉजी द्वारा रिजेक्ट कर दिये गये है। कोरोना संक्रमण से 52 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है। साथ ही कोरोना संक्रमित 3339 व्यक्ति ठीक होने के बाद अपने घर पहुंच गये है। इसके अलावा कुल सर्वे न्यू माईक्रो कॉटेन्टमेंट एरिया 752 घोषित किये गये थे।

मानसून पूर्व रख रखाव प्रभावी ढंग से करें - प्रबंध संचालक श्री मिश्रा

भिण्ड। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा है कि प्राकृतिक आपदा जैसे आँधी-तूफान को छोड़कर अन्य किसी परिस्थितियों में किसी भी प्रकार का विद्युत व्यवधान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आँधी-तूफान की दशा में कितनी जल्दी विद्युत आपूर्ति बहाल की जाती है, वही कंपनी के मैदानी अधिकारियों का परफॉरमेंस माना जाएगा। इसलिए बिजली कंपनी के अधिकारियों को सजग रहने की जरूरत है। उन्होंने मानसून पूर्व रख-रखाव का कार्य प्लान तैयार कर जल्दी पूरा करने के निर्देश दिए। श्री मिश्रा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्यालय में भोपाल रीजन एवं ग्वालियर रीजन में विद्युत आपूर्ति की समीक्षा कर रहे थे। प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि मैदानी क्षेत्रों में वन क्षेत्रों से गुजर रही 33 के.वी. की लाइनों की पेट्रोलिंग करा ली जाए, ताकि बारिश में मेजर ब्रेकडाउन की समस्या से बचा जा सके। उन्होंने रख-रखाव कार्य को प्रभावी ढंग से करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक ने कहा कि जिन फीडरों पर ट्रिपिंग ज्यादा है, इन फीडरों का निरीक्षण भौतिक रूप से उपमहाप्रबंधक एवं महाप्रबंधक करेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ने मैदानी स्तर पर 33/11 उपकेन्द्र, 33 के.वी. लाइनों, 11 के.वी. लाइनों, निम्नदाब लाइनों और वितरण ट्रांसफार्मरों के रख-रखाव प्लान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मेंटिनेंस के लिए इस प्रकार शटडाउन लें कि उसी अवधि में उस क्षेत्र विशेष के बिजली संबंधी निर्माण कार्य को भी पूरा करा लिया जाए। इससे बार-बार शटडाउन नहीं लेना पडेगा। श्री मिश्रा ने एसटीएम (सब ट्रांसमिशन मेंटिनेंस) के अधिकारियों को बोध कराया कि मेंटिनेंस में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें और प्रभावी सुपरविजन सुनिश्चित करें।

अपर कलेक्टर श्री उपाध्याय ने ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण

श्योपुर। अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय ने आज सिविल सर्जन डॉ. आरबी गोयल व श्री सोनकर के साथ जिला अस्पताल श्योपुर में निर्माणाधीन ऑक्सीजन प्लांट का आज निरीक्षण किया। जिला चिकित्सालय श्योपुर में ऑक्सीजन की समस्या के समाधान के लिए लगने वाले तीन ऑक्सीजन प्लाटं में से एक ऑक्सीजन प्लांट आज जिला चिकित्सालय में पहुच गया है। यह ऑक्सीजन प्लांट इफको टोकियों जनरल इन्सोरेन्स कम्पनी द्वारा सीएसआर एक्टीविटी के तहत स्वीकृत किया है। यह प्लांट किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग , पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य प्रसंस्करण विभाग भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिह तोमर द्वारा स्वीकृत कराया गया है। इसकी लागत त्तस्ज्ञ मिलाकर 52,95,640/- रूपये है। इस ऑक्सीजन प्लांट को क्रिएटिव सॉल्यूशन कल्याण मुम्बई द्वारा तैयार करवाया जा रहा है। इस मेडीकल ऑक्सीजन प्लांट को तैयार करने की समय सीमा इफको टोकीयों जनरल इन्सोरेन्स द्वारा 30 मई 2021 तय की है। ऑक्सीजन प्लांट का सामान कल देर रात जिला अस्पताल पहुँचा। यह मेडीकल ऑक्सीजन प्लांट जिला चिकित्सालय में आईसीयू एवं मेटरनिटी के बीच स्थापित किया जा रहा है इससे आईसीयू एंव मेटरनिटी वार्ड को ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा सकेगी। इस प्लांट की क्षमता लगभग 50-60 सिलेंडर प्रतिदिन सम्भावित है। 30 मई 2021 तक प्लांट चालू होने की संम्भावना है। साथ ही 30 मई 2021 तक आजिवीका मिशन द्वारा लगाये जा रहे। प्लांट के चालू होने की भी संभावना है। इस मेडीकल ऑक्सीजन प्लांट को नाइट्रोक्स मालनपुर द्वारा तैयार किया जा रहा है। इन दोनो प्लांट के लगने से जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन की समस्या का समाधान हो जायेगा।

मैं कोरोना वालेंटियर संक्रमण के प्रति विभिन्न कार्यवाहियों को दे रहे अजाम

श्योपुर। जिला प्रशासन द्वारा जिले के कोरोना संक्रमण की रोकथाम की दिशा में निरंतर प्रयास किये जा रहे है। साथ ही जिलें में जन अभियान परिषद के माध्यम से नियुक्त किये गये मैं कोरोना वालेंटियर भी कोरोना संक्रमण की रोकथाम में महती भूमिका अदा रहे है। इसके अंतर्गत जन अभियान परिषद के मैं कोरोना वालेंटियर श्री दीनदयाल मीणा श्योपुर ब्लॉक के ग्राम जाटखेडा पोस्टर लगाकर ग्रामीणों को कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूक कर रहे है।कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जन अभियान परिषद के मैं कोरोना वांलेटियर द्वारा जिले में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में नागरिकों को कोरोना के संक्रमण के प्रति जागरूक करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे है। जिसमें कोविड सेंटर पर नागरिकों की सेम्पलिंग कार्य, पोस्टर लगाकर नागरिकों को कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूक कर रहे है। साथ ही मास्क लगाने, सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने, सेनेटाईजर का उपयोग, साबुन से हाथ धोने के साथ-साथ अनावश्यक घर से बाहर ना निकलने के लिए जन जागरूकता फैला कर नागरिकों को संदेश दे रहे है।

फोन कॉल पर दिव्यांगों को मिलेगी वैक्सीनेशन, चिकित्सा आदि सुविधाएँ

मुरैना। दिव्यांगजनों की जीवन-रक्षा के साथ नित्योपयोगी जरूरतों को पूरा करने के लिये प्रदेश में सक्षम कोविड एक्शन नेटवर्क स्केन का शुभारंभ किया गया। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण श्री प्रतीक हजेला ने कहा कि विभाग सक्षम संस्था द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ किये गये नेटवर्क के साथ मध्यप्रदेश समन्वय स्थापित कर दिव्यांगों और उनके परिवार को वैक्सीनेशन, वैक्सीनेशन से संबंधी परामर्श, टेलिमेडिसिन, राशन आदि की सुविधा उपलब्ध करायेगा। श्री हजेला ने आशा व्यक्त की कि स्केन नेटवर्क की मदद से सभी वृद्धजनों और दिव्यांगों का वैक्सीनेशन सुनिश्चित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कोविड मरीजों को बेड, ऑक्सीजन, उपचार आदि सुविधाएँ उपलब्ध कराने में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रदेश में हाल ही में पब्लिक-डॉक्टर टेलिमेडिसिन एप लाँच कर एलोपैथी, आयुर्वेदिक और यूनानी चिकित्सकों की सेवाएँ उपलब्ध करवाई जा रही हैं। दिव्यांगजन एवं परिवार फोन नम्बर-0120-690-4999 पर कॉल कर सुविधा का लाभ ले सकते हैं। आयुक्त निःशक्तजन कल्याण श्री संदीप रजक ने बताया कि दिव्यांगों के लिये जिला और नगरीय निकाय स्तर पर शासन द्वारा कार्य किया जा रहा है। सक्षम संस्था के साथ संयुक्त टीमें बनाकर दिव्यांगों और उनके परिवारों की सहायता की जायेगी। संस्था द्वारा नियुक्त वॉलेंटियर्स दिव्यांगजन का पंजीयन कर फार्म भरने में सहायता करेंगे। दूरस्थ अंचलों के दिव्यांगों के कोविड वैक्सीनेशन, वाहन न होने की स्थिति में वैक्सीनेशन स्थल तक लाने-ले जाने के लिये वाहन, एम्बुलेंस व्यवस्था, राशन और नित्य उपयोग में आने वाली वस्तुओं को भी उपलब्ध कराने में मदद करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर अंतिम संस्कार में भी सहायता की जायेगी। हेल्पलाइन सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक उपलब्ध रहेगी।

कोरोना वालेंटियर मोहित तिवारी टीकाकरण केन्द्र पर दे रहे है अपनी सेवाएं

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा जिले के कोरोना संक्रमण की रोकथाम की दिशा में निरंतर प्रयास किये जा रहे है। साथ ही जिलें में जन अभियान परिषद के माध्यम से नियुक्त किये गये मैं कोरोना वालेंटियर भी कोरोना संक्रमण की रोकथाम में महती भूमिका अदा रहे है। इस अभियान के अंतर्गत जिला मुख्यालय श्योपुर पर नगरपालिका मैरिज गार्डन पर बनाये गये टीकाकरण केन्द्र पर मैं कोरोना वांलेटियर श्री मोहित तिवारी नागरिकों टीका लगवाने में अपनी सेवाएं दे रहे है। जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह ने बताया कि जिले में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में नागरिकों को कोरोना के संक्रमण के प्रति जागरूक करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे है। जिसमें मास्क लगाने, सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने, सेनेटाईजर का उपयोग, साबुन से हाथ धोने के साथ-साथ अनावश्यक घर से बाहर ना निकलने के लिए जन जागरूकता फैला कर नागरिकों को संदेश दे रहे है। इसी प्रकार जिला मुख्यालय श्योपुर पर नगरपालिका मैरिज गार्डन पर बनाये गये टीकाकरण केन्द्र पर मैं कोरोना वांलेटियर श्री मोहित तिवारी नागरिकों टीका लगवाने में अपनी सेवाएं दे रहे है।

संपादकीय

अनाथों की सुध

दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने फैसला किया है कि वह कोविड से अनाथ हुए बच्चों की शिक्षा और जीवन-यापन का खर्च उठाएगी। कई बच्चों ने कोरोना संक्रमण से अपने मां-बाप, दोनों को खो दिया है। जिस तरह की खबरें आ रही हैं, उनसे यही आशंका होती है कि ऐसे बच्चों की संख्या काफी होगी। किसी भी संवेदनशील सरकार और समाज की जिम्मेदारी है कि वह ऐसे बच्चों को आर्थिक संकट और असुरक्षा से बचाए। अगर दिल्ली सरकार ऐसा करती है, तो वह अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाएगी। इसके अलावा, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह भी घोषणा की है कि जिन बुजुर्गों ने अपने बच्चों को खोया है, जो उनके आर्थिक संबल थे, उन्हें भी सरकार की ओर से सहायता दी जाएगी। अच्छा होगा, अगर अन्य राज्य सरकारें भी ऐसी पहल करें। अभी तो कोरोना की लहर चल ही रही है और इस वक्त सबसे बड़ी जरूरत इस लहर को नियंत्रित करने और इससे होने वाले नुकसान को यथासंभव सीमित करने की है। लेकिन जब यह तूफान गुजर जाएगा, तब सबसे बड़ी जरूरत तबाही का जायजा लेने और उससे प्रभावित लोगों को अपना जीवन फिर से पटरी पर लाने में मदद करने की होगी। देश की अर्थव्यवस्था कोरोना की मार के पहले भी कुछ धीमी रफ्तार से चल रही थी और अब महामारी ने तो इसकी गति बहुत ही कम कर दी है। भविष्य में सब कुछ सामान्य हो जाने के बाद भी शायद अर्थव्यवस्था के ठीक-ठाक हालत में आने में काफी वक्त लग जाए। ऐसे में, जो भी लोग अपना आर्थिक सहारा खो चुके हैं, उनके लिए बहुत कठिन हालात होंगे। इनमें बेसहारा बुजुर्ग और अनाथ बच्चे शामिल हैं। इसलिए उन पर विशेष ध्यान देने की और उन्हें सहायता देने की जरूरत होगी। दिल्ली राज्य में यह काम करना अपेक्षाकृत आसान होगा। इसकी एक वजह तो यह है कि दिल्ली एक छोटा, मुख्यत- शहरी राज्य है और यहां कोविड के आंकड़े भी काफी सही-सही उपलब्ध हैं। लेकिन कई सारे राज्यों, खासकर बड़े राज्यों में कोविड के मरीजों और उससे मरने वालों के बारे में आंकड़ों व जानकारी में इतनी हेराफेरी है कि उनके सहारे मदद की कोई योजना बनाना बेकार होगा। कोविड-19 की इस लहर ने ग्रामीण इलाकों में भी मार की है, जहां न जांच की सुविधा है, न इलाज की और जहां कोविड से मरे लोग सरकारी गिनती में आएंगे ही नहीं। दिल्ली तुलनात्मक रूप से एक सुविधा-संपन्न राज्य भी है, जहां सरकारी स्कूल व अन्य सुविधाएं बेहतर हैं और अगर सरकार राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक कौशल दिखाए, तो ऐसी योजनाएं सफल भी हो सकती हैं। आखिरकार तमाम सरकारी योजनाओं की असली कसौटी तो यही होती है कि घोषणाओं और उनके जमीनी रूप में कितना कम फर्क है। देश के अन्य राज्य भी अपने स्तर पर ऐसी लोक-कल्याणकारी योजनाओं पर काम कर सकते हैं। ऐसी योजनाएं सरकारों को उनके तंत्र की शक्तियों और कमजोरियों को पहचानने व बेहतर तंत्र बनाने में मदद कर सकती हैं। कोविड-19 ने हमें यह बता दिया है कि आखिरकार यही काम आता है कि किसी राज्य में सार्वजनिक सेवाएं कितनी चुस्त हैं। बहुत अमीर राज्य में भी अगर सरकारी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त नहीं हैं, तो वह किसी संकट का सामना नहीं कर सकता। कोविड संकट ने कभी न भुलाने वाला यह सबक हमें सिखाया है।

क्या स्वप्न सच के प्रतिबिम्ब होते हैं?

ललित गर्ग

ऐसे सपने हमारे दिल के करीब होते हैं। कुछ सपने ऐसे होते हैं जो लुप्तप्राय जगह को खोजने को प्रेरित करते हैं, कुछ सपने आने वाले खतरे के प्रति सावधान करते हैं, कुछ सपने जिन्दगी और मौत के बीच जूझ रहे व्यक्ति के लिये जीवनदान बन कर आते हैं। किसी को सपने में मृत्यु के दर्शन होते है तो किसी को खोयी वस्तु के संकेत मिल जाते हैं। ऐसे सपनों को लेकर एक थ्योरी है। माना जाता है कि सहज मृत्यु की स्थिति में शरीर के अंदर मौजूद आत्मा किसी दूसरे शरीर को अपना घर बनाती है। लेकिन जब अकाल मौत होती है या हमारी नजर में वह प्राकृतिक मौत है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता, तब नए शरीर में प्रवेश करने वाली आत्मा भटकती रहती है और इस भटकन के दौरान वह भी यदाकदा मृत्यु से पहले के साथी संगियों और परिजनों के के साथ सपनों में संवाद करती है।

स्वप्न का हमारे जीवन के साथ गहरा तादात्म्य है। स्वप्न क्यों आते हैं, उनका वास्तविक जीवन से क्या संबंध है, क्या स्वप्न सच के प्रतिबिम्ब होते हैं, क्या स्वप्न जीवन को प्रभावित करते हैं- ऐसे अनेक प्रश्न है जो बंद पलकों के पीछे की इस रोमांचक दुनिया से जुड़े है। इस ख्वाबों की दुनिया के रहस्य की पडताल सदियों से होती रही है। लेकिन अनेक अनुसंधानों और खोजों के बावजूद आज भी स्वप्न की यह मायावी दुनिया रहस्य ही बनी हुई है।

सपने क्या हैं? क्या ये बात सही है कि जिसकी जैसी सोच होती है, उसे वैसे ही स्वप्न आते हैं। क्या इनका रिश्ता होता है अतीत, पिछले जन्म और भविष्य से? सपनों की अनगिनत कहानियां हैं और वैसे ही तो हैं रंग-बिरंगे स्वप्न। प्रसिद्ध दार्शनिक सिगमंड फ्रायड ने पहली बार स्वप्नों की प्रक्रिया, संरचना, रहस्यों और कारणों पर प्रकाश डाला। उनका कहना है कि जब हम नींद की स्थिति में होते हैं तो हमें सबसे ज्यादा सपने आते हैं। हर इंसान स्वप्न देखता है, निद्रा की अवस्था में उसके बिम्ब उभरते हैं। आंखें खुलते ही स्वप्न की सारी दुनिया बिखर जाते हैं। स्वप्न बहुत नाजुक होते हैं, तितली के परों सरीखे, वे गुलाब की पंखुरी पर ओस की एक मोती-सी बूंद जैसे होते हैं। वास्तव में स्वप्न एक ऐसी स्थिति है, जहां हम जाग्रत नहीं बल्कि निद्रावस्था में होते हैं। यह निद्रावस्था रात्री के आखिरी प्रहर की होती है, जब हम गहरी नींद में होते हैं। हमारी आंखें बंद पलकों के पीछे ज्यादा सक्रिय होती है और तेजी से घूमती है। मस्तिष्क भी ज्यादा क्रियाशील होता है। इसीलिए हम कई बार देखे गए सपने को सुबह उठने के बाद भी हू ब हू याद रखते हैं, कई बार बस हल्की सी एक झलक भर याद रह जाती है। जिससे पता चलता है, हमारी सपने में किसी से मुलाकात हुई थी, सपने में हम किसी के पास आए थे, सपने में हमें किसी स्थान-विशेष पर ले जाया गया था, किसी रहस्य से पर्दा उठाया गया था लेकिन यादों को यह डोर बहुत कमजोर और टूटी-फूटी सी होती है। सपनों का वह समूचा जगत इसके साथ गहरे तक जुड़े लोगों के लिए तो मायने रखता है, लेकिन ऐसे भी लोग हैं जो अपनी समझ और सक्रिय दिमाग की विवेचना शक्ति से इस सबको महज भ्रम साबित कर देते हैं।

लेकिन सपनों की दुनिया के बारे में, अभी अंतिम रूप से दुनिया कुछ नहीं कह सकती। इसकी एक वजह यह भी है कि तमाम वैज्ञानिकों ने इस बात का खुलासा किया है कि उन्हें उन महान आविष्कारों की जानकारी और समझ किसी दिन सोते हुए सपने में आयी और न सिर्फ यह सपना याद रहा बल्कि उन्होंने महान आविष्कार कर डाले। वैज्ञानिकों की ये बातें मनोवैज्ञानिकों की उन बातों को काटती है, जिसमें वो कहते हैं सपने कुछ नहीं हमारे दिन भर की गतिविधियों के ही नतीजे होते हैं। लेकिन क्या ऐसी कोई थ्योरी या ऐसा कोई आविष्कार भी हमारी दिन भर की दिमागी गतिविधि का हिस्सा हो सकता है, जिसका अभी तक दुनिया में अस्तित्व ही न हो?

कुछ लोग अपने सपनों को दूसरों से बता तो नहीं पाते मगर ऐसे लोग पुरजोर दावे से कहते हैं उनके दिलों दिमाग में एक परछाई की तरह कोई धुंधला दृश्य, कोई धुंधली तस्वीर घूम रही है, पर इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चल पा रहा कि उसका मकसद क्या है? उसका कहना क्या है? दरअसल कुछ सपने बेहद निजी होते हैं, वह हमारे जिंदगी के अच्छे किसी खास मौके का टुकड़ा होते हैं या उसकी कुछ अच्छी काल्पनिक का विस्तार होते हैं, ऐसे सपने हमें याद रहते हैं। ऐसे सपने हमारे दिल के करीब होते हैं। कुछ सपने ऐसे होते हैं जो लुप्तप्राय जगह को खोजने को प्रेरित करते हैं, कुछ सपने आने वाले खतरे के प्रति सावधान करते हैं, कुछ सपने जिन्दगी और मौत के बीच जूझ रहे व्यक्ति के लिये जीवनदान बन कर आते हैं। किसी को सपने में मृत्यु के दर्शन होते हैं तो किसी को खोयी वस्तु के संकेत मिल जाते हैं।

ऐसे सपनों को लेकर एक थ्योरी है। माना जाता है कि सहज मृत्यु की स्थिति में शरीर के अंदर मौजूद आत्मा किसी दूसरे शरीर को अपना घर बनाती है। लेकिन जब अकाल मौत होती है या हमारी नजर में वह प्राकृतिक मौत है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता, तब नए शरीर में प्रवेश करने वाली आत्मा भटकती रहती है और इस भटकन के दौरान वह भी यदाकदा मृत्यु से पहले के साथी संगियों और परिजनों के के साथ सपनों में संवाद करती है। कभी-कभी ऐसी मृतात्माएं ऐसे लोगों को परेशान करती है, या बदला लेती है जिन्होंने या तो अकाल मृत्यु में सहायता की है या उसके जीवन में तरह-तरह की बाधाएं, परेशानियां एवं हिंसक घटनाओं के द्वारा जीने को जटिल बना दिया है।

प्राचीन समय में सपनों के जरिए इलाज भी होता था, इसे ड्रीम थैरेपी कहा जाता था। सम्मोहन के जरिए ड्रीम थैरेपी की जाती थी। यूनान में चार सौ से भी ज्यादा मंदिरों में इस थैरेपी के इस्तेमाल के उदाहरण मिलते हैं। ईसा से दो शताब्दी पहले तक ग्रीक और रोमन साम्राज्य में उपचार के लिए ड्रीम थैरेपी बहुत आम थी। कुछ लोग अपने सपनों का साफतौर पर बयां नहीं कर पाते। लेकिन वे कुछ संकेत देते हैं जैसे उनके दिलों दिमाग में एक परछाई की तरह कोई धुंधला दृश्य, कोई धुंधली तस्वीर घूम रही है, पर इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चल पा रहा कि उसका मकसद क्या है? उसका कहना क्या है? दरअसल कुछ सपने बेहद निजी होते हैं, वे हमारे जिंदगी के अच्छे किसी खास मौके का टुकड़ा होते हैं या उसकी कुछ अच्छी कल्पना का विस्तार होते हैं, ऐसे सपने हमें याद रहते हैं। ऐसे सपने हमारे दिल के करीब होते हैं।

लेकिन सपनों की दुनिया के बारे में, अभी अंतिम रूप से कोई निर्णायक स्थिति नहीं बनी है। विज्ञान मानता है कि सभी स्तनधारी और जानवर सपने देखते हैं, लेकिन हमारे पुराण कहते हैं कि सभी प्राणियों में एक मनुष्य ही ऐसा होता है, जो सपने देखता है। वैसे प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक अरस्तु ने भी कहा है कि केवल मनुष्य ही नहीं, बल्कि जानवर भी सपने देखते हैं। स्वप्न का जन्म कब, कैसे और कहां हुआ? इसकी जन्मतिथि एवं मिति क्या है? यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। लेकिन इतना तो बताना संभव है कि जिस दिन मानव ने सृष्टि पर चरणन्यास किया उसी समय से स्वप्नपरी के सुंदर दृश्यों एवं नाटक का श्रीगणेश हो गया। गर्भस्थ शिशु तो क्या पशु-पक्षी भी स्वप्नलोक में विचरण करते हैं तभी तो कहावत प्रसिद्ध है ह्यसोयी बिल्ली तो चूहों के ही स्वप्न देखा करती है। तमाम वैज्ञानिकों ने इस बात का खुलासा किया है कि उन्हें उन महान आविष्कारों की जानकारी और समझ किसी दिन सोते हुए सपने में आयी और न सिर्फ यह सपना याद रहा बल्कि उन्होंने महान आविष्कार कर डाले। जबकि कतितय मनोवैज्ञानिक कहते हैं सपने कुछ नहीं हमारे दिन भर की गतिविधियों के ही नतीजे होते हैं। वैज्ञानिकों और मनोवैज्ञानिकों के बीच विरोधाभास है।

दुनिया और इसमें जीने वाले लोगों में स्वप्न की मान्यता का व्यापक प्रभाव है। इस प्रभाव एवं सपनों के संसार पर गहन अध्ययन समय-समय पर होते रहे हैं। हाल ही में जैन साध्वी डॉ. ललितरेखा 'खादू' की एक पुस्तक 'सफर सपनों का' प्रकाशित होकर सामने आयी है। यह सपनों की दुनिया की विविध कोणों से विवेचना करती हुए एक महत्वपूर्ण पुस्तक है, इसे एक संकलन और शोध-प्रस्तुति भी कहा जा सकता है। इस पुस्तक में स्वप्नों की मान्यता का विशद प्रभाव को देखने को मिलता है, स्वप्न-फल की अनेक व्याख्यायें एवं जो धारणाएं प्रचलित हैं, उनको प्रस्तुति देते हुए लेखिका कहती है कि उन्हें अगर अनेकांत और स्याद्वाद की दृष्टि से देखा जाए तो सभी धारणाएं सत्य प्रतीत होती हैं। वस्तुत अनेकांतवाद से किसी मत का एकांततः खण्डन उचित नहीं है।

सभी दृष्टियों में सत्यांश तो छिपा हुआ ही है, किन्तु इन प्रचलित धारणाओं के होने के बावजूद भी सभी दर्शनों में बिखरी सुंदर स्वप्नों की सौरभ सबको सहज ही आकृष्ट कर लेती है। अतः भिन्न-भिन्न संस्कृतियों में बिखरे हुए एक-एक स्वप्न सुमनों को संजोकर स्वप्नमाला गूंथने का यह लघु प्रयास मानव की सोच को नया आयाम देता है।

रॉबर्ट स्टीव का मानना है कि जीवित रहने के लिए स्वप्न अनिवार्य है। स्वप्नों के प्रति ग्रहणशीलता हमारे जीवन को सुखद बनाने में बेहतर सहायक सिद्ध हो सकती है। मनुष्य स्वप्नों के संसार में क्रीड़ाएं अधिक करता है। एक जगह बैठने की अपेक्षा भ्रमण ज्यादा करता है। हमारे चैंतीस प्रतिशत स्वप्न भ्रमण एवं सवारी करने से संबंधित होते हैं। ग्यारह प्रतिशत दृश्यों में किसी से बतियाते हैं। सात प्रतिशत स्वप्न दृश्यों में हम बैठे रहते हैं। हमारे छह प्रतिशत स्वप्न सामाजिक समारोह से संबंधित होते हैं। पांच प्रतिशत स्वप्न में हम खेलते-कूदते हैं। तीन प्रतिशत में शिक्षण-प्रशिक्षण का कार्य करते हैं तीन प्रतिशत स्वप्न में हम लड़ते-झगड़ते हैं। चैबीस प्रतिशत स्वप्नों को भोजन आदि बाकी कार्यों से जोड़ा जा सकता है। इंसान सपनों की दुनिया से हरदम प्रभावित रहा है। मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक, हर सपना कुछ कहता है। जरूरत इस बात की है कि स्वप्न के सार को समझा जाए।

रिश्ते और रिश्ते

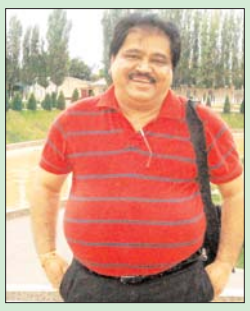

रिश्ते अपने रिश्तों से दूर होने लगे है,
क्यों लोग इस कदर मजबूर होने लगे हैं
दुश्मनो से दोस्त कर रहें है गुजारिश,
भोले चेहरे कितने मगरूर होने लगे है।
ज़माने की कैसी हो गई फितरत,
भाई चारे कितने बेनूर होने लगे है।
आजमाँ कर देख,बेदर्द ज़माने को,
चेहरे पर कई चेहरे,जरूर होने लगे है।
नाते,रिश्ते सब अजब मायाजाल,
सिक्के ही चेहरों के नूर होने लगे है।
तमन्नाये न रख सुनहरे पंखों की अब,
सारे सपने अब चूर चूर होने लगें है।
फकीरी,शायरी हमारी हमसफर,
खुदा के करम, पुरनूर होने लगें हैं।

संजीव ठाकुर, अंतरराष्ट्रीय कवि रायपुर

राष्ट्रीय कार्यबल को मिले अधिकार

सर्वोच्च अदालत ने पिछले हफ्ते एक राष्ट्रीय कार्यबल (नेशनल टास्क फोर्स- एनटीएफ) का गठन किया, जो एक सप्ताह के भीतर राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों को चिकित्सकीय-ऑक्सीजन के आवंटन की नीति बताएगा, और अगले छह महीनों में एक राष्ट्रीय योजना की व्यापक रूपरेखा पेश करेगा, ताकि अभी और भविष्य में हम कोविड-19 से कारगर जंग लड़ सकें। विशेषज्ञों से भरा यह 12 सदस्यीय कार्यबल भरोसा जगाता है। हालांकि, इसका काम सिर्फ सिफारिश करना है, लिहाजा उसकी अनुशंसाओं पर फैसले लेने का अधिकार केंद्रीय नौकरशाही के पास ही होगा, जिसकी तस्वीर बहुत धवल नहीं है। लोग फैसले लेने वाली कोई पेशेवर और निष्पक्ष इकाई चाहते हैं, जिसके लिए कार्यबल ही उपयुक्त है, फिर चाहे वह मौजूदा स्वरूप में हो या फिर जरूरत के मुताबिक इसमें अन्य विशेषज्ञ भी शामिल किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट के लिए आवश्यक है कि वह इस राष्ट्रीय कार्यबल को इतना मजबूत करे कि वह कोविड-19 से जुड़े फैसले खुद ले सके। इस समय सबसे बड़ी जरूरत यही है कि राष्ट्रीय कार्यबल जैसी किसी इकाई द्वारा त्वरित निर्णय लिए जाएं। यह अभी सबसे बड़ी जरूरत है। एक उदाहरण से इसे समझिए। पिछले साल कोविड-19 के मामलों में उछाल आने के बाद मार्च में भारत सरकार के सचिवों के नेतृत्व में 11 अधिकार प्राप्त समितियों का गठन किया गया। फिर भी, प्रस्तावित 133 नए ऑक्सीजन-प्लांट में से सिर्फ 33 प्लांट स्थापित हो सके, और ये समितियां कुछ नहीं कर सकीं। नवंबर में, संसद की स्थाई समिति ने ऑक्सीजन-आपूर्ति, आईसीयू बेड और अन्य सुविधाओं की कमी को लेकर चिंता जताई थी। मगर जब बीते मार्च में दूसरी लहर ने भारत पर हमला किया, तब हम बिना तैयारी के थे। ऑक्सीजन-कोटे को लेकर दिल्ली और केंद्र के बीच की लड़ाई को ही लीजिए। आखिरकार अदालत ने दिल्ली को प्रतिदिन 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आवंटित करने का फैसला दिया। क्षमता स्थापित करना और वितरण का निर्धारण करना भी मुद्दे हो सकते हैं। मगर, पिछले साल के अति-संतोष और इस बार की मौजूदा जरूरत में तुलना करें, तो यह साफ हो जाता है कि त्वरित अदालती फैसले और समितियों के आदेश क्या कर सकते हैं?

दूसरी बात, विशेषकर ऑक्सीजन की आपूर्ति को लेकर निजी और स्थानीय स्तर पर सफलताएं देखी गई हैं। केरल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे कुछ राज्य न सिर्फ अपने यहां ऑक्सीजन-रिजर्व को बनाए रखने में सफल हुए, बल्कि उन्होंने अन्य सूबों की भी मदद की। नंदुरबार (महाराष्ट्र) के युवा जिलाधिकारी ने अपने जिले में तीन ऑक्सीजन-प्लांट लगाए, तो बृहमुंबई महानगर पालिका आयुक्त को भी अपने कामों के लिए भरपूर सराहना मिली। मगर इस तरह के निजी प्रयास पर्याप्त नहीं होते हैं, और एक केंद्रीय इकाई की जरूरत होती ही है, जो रोजाना के आधार पर चुनौतियों को देखते हुए फैसले ले। जैसे, ऑक्सीजन की आपूर्ति और उसके आवंटन को लेकर अगला पखवाड़ा काफी अहम है, इसलिए राष्ट्रीय कार्यबल के लिए यह महत्वपूर्ण है कि बैठकें करने और नीतियों पर विचार-विमर्श के बजाय रोजाना के आधार पर काम करे। भारत सरकार के सचिव के नेतृत्व में एक समिति पहले से ही ऑक्सीजन-आवंटन पर काम कर रही है। सचिव चाहें, तो प्रतिदिन की अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय कार्यबल को दे सकते हैं और वहां से आदेश ले सकते हैं। इससे राज्य भी संतुष्ट होंगे और केंद्र पर उंगली उठाने के बजाय वे अपने कामकाज पर ध्यान देंगे। तीसरी बात, विशेषज्ञ पैनल भारत की वैक्सीन-नीति को तैयार करने में (याद रखें, यह मामला भी इस समय अदालत के अधीन है) भी अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकता है। टीके को लेकर संघीय संबंधों में तनातनी को देखते हुए टीकों के वितरण का फैसला राष्ट्रीय कार्यबल को सौंपा जाना चाहिए। व्यवस्थित टीकाकरण के लिए, रोग की मौजूदा व कथित गंभीरता को देखते हुए विभिन्न जनसांख्यिकी खंडों के लिए विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में रणनीति के आधार पर काम करने की दरकार है। चौथी बात, कोविड-19 प्रोटोकॉल पर काफी ज्यादा भ्रम होने की वजह से राष्ट्रीय कार्यबल को चिकित्सा संबंधी निर्देश जारी करने का अधिकार मिलना चाहिए। एक तरफ डॉक्टरों व विशेषज्ञों के बयान हैं कि नागरिकों को रेमडेसीवर, टोसिलीजुमाब और प्लाज्मा थेरेपी के इस्तेमाल को लेकर सावधान रहना चाहिए और खास परिस्थितियों में ही इनका इस्तेमाल करना चाहिए, जबकि दूसरी तरफ, होम आइसोलेशन में डॉक्टर धड़ाधड़ इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। राष्ट्रीय कार्यबल को इस पर तत्काल गौर करना चाहिए और एक 'नेशनल एडवाइजरी' जारी करनी चाहिए। नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में, कार्यबल जनता से जीनोम-सीक्वेंसिंग की स्थिति और नए वेरिएंट को लेकर सूचनाएं भी साझा कर सकता है। पांचवीं बात, मदद के रूप में विदेश से चिकित्सा सामान की आपूर्ति लगातार हो रही है और भारत सरकार की समिति मानदंडों के अनुसार इनके वितरण का काम देख रही है। ऐसा न हो कि आवंटन में देरी और पूर्वाग्रह के कारण कोई नया विवाद खड़ा हो जाए। दैनिक आधार पर समिति को सुनने के बाद राष्ट्रीय कार्यबल को वितरण का काम अपने हाथ में ले लेना चाहिए। अगले छह महीनों के लिए कोविड-19 से संबंधित फैसले राष्ट्रीय कार्यबल द्वारा ही लिए जाने चाहिए। महत्वपूर्ण लंबित मामलों में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता इसके पास है और इसकी छवि भी निष्पक्ष है। कई समितियां पहले से ही राष्ट्रीय कार्यबल की मदद करने के लिए मौजूद हैं। मौजूदा आभासी दौर में एक दिन में दो छोटी-छोटी बैठकों में ही सभी जरूरी मसलों पर फैसला हो सकता है। आलोचक राष्ट्रीय कार्यबल को न्यायिक अतिरेक की मिसाल के रूप में पेश कर सकते हैं और कह सकते हैं कि इससे चुनी गई सरकार के सांविधानिक अधिकारों का हनन होगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी सशक्त निकायों की स्थापना की है, जैसे, दिल्ली में अतिक्रमण को हटाने के लिए ऐसा किया गया था। लिहाजा, विपत्ति के समय असाधारण उपाय अपनाना और सुप्रीम कोर्ट का फैसला न सिर्फ केंद्र और राज्यों के बीच जारी संघर्ष को खत्म करेगा, बल्कि उनके प्रयासों की सराहना भी करेगा, क्योंकि राष्ट्रीय कार्यबल निष्पक्ष और पेशेवर फैसले लेने के लिए सरकारी आंकड़ों और संसाधनों पर ही काफी हद तक निर्भर रहेगा।0

अन्तर्मन में द्वंद छिड़ा है

अन्तर्मन में द्वंद छिड़ा है मन वेदना किसे सुनाऊ आज।
कृष्ण नही हैं आने वाले सुलह किससे कराऊँ आज।।
शांतिदूत बना किसको भेजूं इस दुर्योधन के कट्टर विचार।
राज पाट की बात न पूछो इनके तो कलुषित विचार।।
युद्ध भूमि मध्य रथ खड़ा है गांडीव नीचे कर पार्थ खड़ा।
सकुनी के कुटिल मुस्कान संग पूरा रणभूमि डूबा पड़ा।।
गंगा पुत्र भी विवश खड़े इस द्वंद युद्ध का होने शिकार।
आओ अर्जुन वेध डालो तुम सामने खड़ा तेरा शिकार।।
द्वंद अब धर्म और पुत्र में विवश द्रोण अब रथ सवार।
पुत्र मोह के इस पचड़े में आओ कर दो शर पर वार।।
अंतर्मन के द्वंद युद्ध का केवल निकले दो परिणाम।
हावी अगर स्वार्थ सिद्ध तो निकलेगा बस गलत परिणाम।
इस द्वंद युद्ध के टकराव में जीत अगर हो मन का साथ।
बैर भाव और वैमनस्य से झुटकारा मिल जायेगा आप।।
इक बार फिर विजय पताका फहरेगा फिर अपने आप।
उस लीलाधर के अवतार की जरूरत खत्म हो जाएगी अपने आप।।

श्री कामलेश झा
राजधानी दिल्ली

ओ करोना कसाई

ओ करोना कसाई, तुझे ज़रा लाज ना आई, ले गया तु जिसे छीन के हमसे, वो किसी का सुहाग, किसी का था भाई , किसी मां की उजाड़ी गोद तूने, कोई बच्चा दे रहा दुहाई, ओ करोना कसाई, तुझे ज़रा लाज ना आई। हो गया सब उथल-पुथल संसार, तूने ऐसी तबाही मचाई, जितने जाने ली हैं तूने, उससे भी ज्यादा जाने ले ली केवल तेरे डर ने, इतनी तूने दहशत फैलाई। भाई को भाई से, बाप को बेटे से मां को कोख से कर दिया दूर तूने, कोई देख पाया अन्तिम ड्डसमय चेहरा भी अपने प्यारों का, ऐसे तूने छुआछात फैलाई,ओ करोना कसाई तुझे ज़रा लाज ना आई। जिनके घर का बुझा चिराग, जिनके सर से गया ताज, जिनकी हुई सूनी कलाई, कोई पूछे उनसे जो रो रहे मां को, बाप को, अन्तिम समय दे पाए श्रंद्धाजलि कैसी उन के मन हाय निकल के आई, ओ करोना कसाई अब तो बंद कर ये तबाही, मचाकर इतनी तबाही अभी भी तुझे लाज नहीं आई, ओ निर्दयी करोना कसाई।

प्रेम बजाज

शिवगंगा से शवगंगा तक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त', मो. नं. 73 8657 8657
(हिंदी अकादमी, मुंबई से सम्मानित नवयुवा व्यंग्यकार)

कुछ दिनों से भजनखबरी मैया गंगा की दशा के बारे में अपने विचारों की दिशा में बहा जा रहा था। एक दिन उसके सपने में भगीरथ प्रकट हुए। बोले - वत्स! मैं क्या देख रहा हूँ? जितना गंगा में जल नहीं है उससे कहीं ज्यादा लोगों के आँसू छलक रहे हैं। तुम्हें पता है मुझे धरती पर गंगा को लाने के लिए कितने पापड़ बेलने पड़े। मैंने अपने साठ हजार पूर्वजों के उद्धार के लिए ब्रह्मा जी से प्रार्थना की कि गंगा नदी को पृथ्वी पर अवतरित करें। ब्रह्मा जी ने मेरी प्रार्थना यह कहते हुए ठुकरा दी कि गंगाजी के प्रबल वेग को संभालने में शंकर जी के सिवाय कोई समर्थ नहीं है। मेरी फाइल शंकर जी को टरका दी गयी। इसलिए मैंने शकंर जी से प्रार्थना की। कई वर्षों की प्रार्थना के बाद उन्होंने जटा में गंगा जी को धारण करने का आश्वासन दिया। वह तो भला हो उस जमाने का जब कथनी और करनी एक जैसी होती थी। ऐसा नहीं है कि उस जमाने में खलनायक नहीं थे। मैंने शिव जी को मनाया तो मेरे मार्ग में जह्नु नामक ऋषि ने गंगा जल को किसी मिनरल वाटर वाली बोतल की तरह गटक गए। मैं और मेरा मन ही जानता है कि मैंने कैसे ऋषि जी को मनाया। उस समय आज की तरह रिश्वत का चलन कतई नहीं था। मैने उनकी सेवा प्रार्थना की और उन्हें प्रसन्न किया। तब जाकर गंगा जी जह्नु ऋषि की जाँघ से बाहर आई। इस जाह्नवी नदी के पदार्पण के लिए मैंने बड़ी ईमानदारी से मेहनत की। मैंने कभी कोई शार्टकट नहीं अपनाया। तब कहीं जाकर मैंने अपने पूर्वजों का पिंडदान कर उनका उद्धार किया। किंतु वत्स इधर मैं क्या देख रहा हूँ? आजकल गंगा में लाशें ऐसी बह रही है जैसे कागज़ की नावें। यह तुम लोगों ने शिवगंगा को शवगंगा क्यों बना दिया? भजनखबरी ने कहा - महाराज भगीरथ जी! हमने आपके नाम से बने मुहावरे भगीरथ प्रयास का अक्षरशः पालन करते हुए इस महामारी के समय में अपने प्राण बचाने के लाख प्रयास किए। जमाना ऐसा आया कि पानी तो छोड़िए खुराफाती लोग खुली हवा को सिलेंडरों में भर-भरकर बेचने लगे। उसे पाने के लिए अस्पताल के चक्कर काटने लगे। अस्पताल थे कि हमारी आस का पता पाताल में ढूँढ़ने के लिए कह रहे थे। अब हम करें तो करें क्या? हमारी सभी कोशिशों के बावजूद हम अपनों के प्राण नहीं बचा पाए। वैसे भी अस्पताल की विफलता का पाताल समाधान बनकर उभरता है। इसका मतलब शवों को जलाइए या फिर गाड़िए। लाशों की कतारों के आगे श्मशान कम पड़ गए। जलाने या गाड़ने का ऐसा होड़ शायद ही इस धरती ने कभी देखा हो। महाराज आपने तो मात्र साठ हजार पूर्वजों के उद्धार के लिए गंगा को धरती पर उतारा था। लेकिन अब उसी गंगा मैया के किनारे देश की चालीस फीसदी संतान रहती हैं। संतान तो आखिर संतान हैं। वे अपनी माँ को छोड़कर कहाँ जा सकते हैं। मुर्दों के साथ जिंदा लोगों का व्यवहार किसी मुर्दगी से कम नहीं था। लेकिन करें तो करें क्या? हम लाचार थे। मरने वालों के साथ जीने वाले नहीं मर सकते। भू-माफिया और नेताओं के बकासुरी मुख ने इतनी जमीन हजम कर ली कि शवों को जलाना-गाड़ना तो छोड़िए रखने भर की जगह की कमी पड़ गयी। इसलिए हमने शवों को बहा दिया। हमारे जितना स्वार्थी जीव शायद ही धरती पर कोई होगा। आपकी शिवगंगा को हमने शवगंगा बनाने में तनिक भी दया नहीं दिखाई। हो सके तो क्षमा करना।

गाड़ने और जलाने की, अब जगह नहीं बाकी।
शर्म से पहले बहा दिए शव, हम जी सकें ताकि।।

अजय देवगन की 'मैदान' भी 'राधे' की तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज?

सलमान खान की फि ल्म राधे- योर मोस्ट वॉन्टेड भाई के रिलीज होने के बाद इंडस्ट्री में इस बात के कयास तेज हो गये थे कि मौजूदा हालात में क्या दूसरे निर्माता भी अपनी फि ल्मों को लेकर इसी मॉडल को अपनाएंगे? अजय देवगन की फि ल्म मैदान को लेकर भी इस तरह की चर्चाएं शुरू हो गयी थीं कि फि ल्म पे-पर-व्यू के आधार पर डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज की जा सकती है, मगर अब फि ल्म के निर्माताओं ने एक स्टेटमेंट जारी करके इन खबरों का खंडन किया है।

मैदान एक स्पोर्ट्स बायोपिक फि ल्म है, जिसका निर्माण बोनी कपूर, आकाश चावला और अरुणाभ जॉय सेनगुप्ता ने किया है। मेकर्स ने गुरुवार को एक स्टेटमेंट जारी किया, जिसमें कहा गया- मैदान को पे-पर-व्यू के आधार पर रिलीज करने के लिए फि लहाल किसी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से बातचीत नहीं चल रही है। फि लहाल, हमारा ध्यान सभी की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए फि ल्म को पूरा करने और सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करने की ओर है।

बता दें, अमित आर शर्मा के निर्देशन में बन रही मैदान फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम की बायोपिक है। अजय देवगन की यह पहली स्पोर्ट्स फि ल्म है। मैदान की कहानी 1952-62 के बीच भारतीय फुटबॉल के सुनहरे दौर में सेट की गयी है। फि ल्म के सह निर्माताओं में जी स्टूडियोज भी शामिल हैं, जो सलमान की फि ल्म राधे के निर्माण से भी जुड़ा रहा है। इसीलिए, राधे की जीप्लेक्स पर पे-पर-व्यू के आधार पर रिलीज होने के बाद मैदान को लेकर चर्चा छिड़ गया थी।

वैसे, अभी तक की घोषणा के अनुसार, मैदान 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फि ल्म में प्रियामणि फीमेल लीड में हैं, जो मनोज बाजपेयी के साथ द फैमिली मैन वेब सीरीज में नजर आ रही हैं। इस किरदार के लिए पहले कीर्ति सुरेश को कास्ट किया गया था। बता दें, हाल ही में मुंबई में आये तूफान की चपेट में मैदान का सेट भी आया। मुंबई के बाहर लगे सेट को काफी नुकसान हुआ है। इस सेट पर फि ल्म का बड़ा हिस्सा शूट किया जाना था। पैनडेमिक की वजह से शूटिंग फि लहाल रुकी हुई थी।

कृति सेनन ने अपनी बहन नुपुर सेनन का वीडियो किया शेयर, लिखा- मुझे आपकी आवाज में ये गाना पसंद है

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी शानदार एक्टिंग के चलते सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में रहती हैं। अब एक्ट्रेस ने अपनी बहन नुपुर सेनन का एक वीडियो को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वो एक सॉन्ग करती नजर आ रही हैं।

इस वीडियो को कृति सेनन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। वीडियो में नुपुर बिलाल सईद और मोमिना मुस्तहसानी के सॉन्ग मैं सुनेया उचियां दीवारा राखियां। अपनी शानदार आवाज में गाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर उन्होंने कैप्शन लिखा, मुझे आपकी आवाज में बस ये गाना बहुत पसंद है! मेरी फेवरेट नुपुर सेनन। नुपुर की इस वीडियो को कृति के फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

वहीं नुपुर ने अपने इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को शेयर कर लिखा, आपके दिल की सुरक्षा करने वाली दीवारें टूटने के लिए होती हैं.... लेकिन किसी एक सही के लिए! सभी खोई हुई आत्माओं के लिए... मुझे उम्मीद है कि आपको जल्द ही प्यार मिल जाएगा। लेकिन मुझे आशा है कि आप उसके पहले खुद को ढूंढ लेंगे। मैं इस सॉन्ग को अपनी पसंदीदा लाइनें गा रही हूं।

हाल ही में कृति सेनन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की थी, जिसमें वो लोगों से इस पैनडेमिक में एक-दूसरे की मदद करने व एक जुट रहने की अपील कर रही हैं। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्हें लिखा, 'मैं बुरे में अच्छे, हर विषम परिस्थिति में एक उम्मीद की एक किरण देखती हूं और मैं ऐसी ही इंसान हूं।'

बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही फिल्म गणपत में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वो टाइगर ऑफ के अपोजिट एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म गणपत को विकाल बहल के डायरेक्शन में बनाया जा रहा है। इसके अलावा वो अक्षय कुमार की फिल्महबच्चन पांडे में दिखाई देंगी। इस फिल्म में वो एक पत्रकार का रोल प्ले करती नजर आएंगी। साथ ही वो रहना है तेरे दिल में के सीक्वल में अभिनेता विक्की कौशल के साथ और फिल्म भेड़िया में एक्टर वरुण धवन के साथ नजर आने वाली हैं।

नेहा ने बीच सड़क अपने पति रोहनप्रीत सिंह को जड़ा थप्पड़! जानें क्या था माजरा

बॉलीवुड की मशहूर सिंगर नेहा ककक्ड़ इंडस्टी की हिट सिंगर्स की लिस्ट में गिनी जाती है। नेहा न सिर्फ अपने गानों बल्कि सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त एक्टिव रहती है। बीते साल नेहा ने पंजाबी सिंगर रोहनप्रीत सिंह संग शादी की थी। शादी के बाद से ही दोनों लगातार सुर्खियों में बने है। दोनों अक्सर अपने खास पलों की तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ पोस्ट करते रहते है। इसी बीच अब नेहा और रोहनप्रीत का एक हैरान करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जो काफी चर्चा में बना हुआ है।

दरअसल, नेहा कक्कड़ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जो वीडियो शेयर किया है वो एक फनी वीडियो है। इस वीडियो वह रोहनप्रीत संग अपने नए म्यूजिक वीडियो 'खड़ तेनू मैं दस्सा' पर डांस करती नजर आ रही हैं। ये गाना कुछ समय पहले ही रिलीज हुआ है। इस नए म्यूजिक वीडियो में 'नेहूप्रीत' की जोड़ी काफी अच्छी लग रही है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि नेहा अपने पति रोहनप्रीत के साथ नोकझोंक करती हुई दिखाई दे रही हैं। तभी नेहा का गुस्सा आत है और वो अपने पति रोहनप्रीत को बीच सड़क पर थप्पड़ लगाती दिख रही हैं। इस वीडियो पर नेहा के पति रोहनप्रीत ने कमेंट करते हुए लोगों से एक सवाल किया। उन्होंने कहा, 'मैं तमाम जनता से पूछना चाहता हूं क्या हर घरवाली अपने घरवाले को ऐसे ही मारती है क्या हर घरवाले की किस्मत में पिटाई लिखी है?' वीडियो में दोनों की केमिस्ट्री जबरदस्त लग रही है, जो उनके फैंस को खूब पसंद आ रही।

नेहा कक्कड़ ने अपने इंस्टाग्राम पर सॉन्ग 'खड़ तैनू मैं दस्सा' का फर्स्ट लुक शेयर किया था। इस पोस्टर में नेहा कक्कड़ अपने पति रोहनप्रीत सिंह के साथ नजर आई थीं। पोस्टर में नेहा क्रॉप टॉप के साथ स्कर्ट पहने तो वहीं रोहनप्रीत सिंह कलर फुल प्रिंटेड शर्ट और ऑरेंज कलर के ट्राउजर में नजर आए थे। सॉन्ग के फर्स्ट लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए नेहा ने कैप्शन में लिखा था, पेश है तुम्हारी नेहा और मेरे रोहनप्रीत सिंह के सॉन्ग खड़ तैनू मैं दस्सा का माय फर्स्ट लुक/ पोस्टर।

सपना चौधरी ने खेतों में कराया फोटोशूट हरियाणवी डांसर के हुस्न पर फिदा हुए फैंस

सोशल मीडिया क्वीन और हरियाणा की जान यानी डांसर सपना चौधरी का हर अंदाज देखते ही देखते वायरल हो जाता है। डांस और एक्टिंग के अलावा सपना सोशल मीडिया पर भी अपनी अदाओं का जलवा बिखेरती रहती हैं। सपना सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और वीडियो फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। सपना का हर स्टाइल उनके फैंस को दीवाना बनाता है। यही कारण है कि उन्हें सोशल मीडिया पर लाखों लोग फॉलो करते हैं। इसी बीच अब सपना चौधरी की कुछ लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है।

सपना चौधरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कई सारी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक बार फिर सपना खेतों में इठलाती नजर आ रही हैं। दरअसल, सपना ने इनदिनों गांव में अपना वक्त बिता रही हैं। वहीं वह खेतों में फोटोशूट कराती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि सपना ने लेपर्ड प्रिंट की साड़ी में बेहद सिजलिंग अंदाज में फोटोशूट कराया है। वह कभी खेतों में अपना पल्लू सिर पर रखे तो कभी हवा में लहराती नजर आ रही हैं। इस दौरान वाकई में सपना बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने हॉट डीप नेक ब्लाउज पहना है। जिसमें उनके चैक का टैटू साफ नजर आ रहा है। इन तस्वीरों के सपना के फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर लगातार कमेंट कर वह सपना की जमकर तारीफ कर रहे हैं। अबतक इन तस्वीरों के काफी लाइक्स मिल चुके हैं।

सपना चौधरी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह इन दिनों एंड टीवी के एक क्राइम शो 'मौका-ए-वारदात' में रवि किशन और मनोज तिवारी के साथ शो को होस्ट करती हुई भी नजर आ रही हैं। इसके अलावा सपना ने हरियाणवी इंडस्ट्री के साथ, भोजपुरी, पंजाबी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी काम किया है।

आलिया भट्ट कर रही थीं लाइव सेशन, तभी पर्दे के पीछे दिखा एक शर्टलेस शख्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट फिल्म इंडस्ट्री का एक जाना मान नाम हैं। आलिया बीते दिनों कोविड पॉजिटिव होने की वजह से काफी चर्चा में थीं। वहीं अब आलिया कोरोना को मात देकर पूरी तरह से स्वस्थ्य हैं। इसी बीच अब आलिया का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आलिया का ये वीडियो उनके एक इंस्टाग्राम लाइव सेशन के दौरान का है। एक्ट्रेस का ये लाइव सेशन वीडियो आज का नहीं बल्कि पुराना है। इस वीडियो में आलिया फैंस से बात कर रही थीं कि तभी अचानक फैंस की नजर उनके पीछे एक शख्स पर पड़ी। वहीं फैंस कमेंट कर आलिया से उस शख्स के बारे में पूछ रहे हैं कि वो कौन दिख रहा है?

आलिया भट्ट के इंस्टाग्राम लाइव सेशन के इस वीडियो को नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया गया है। इस वीडियो में आलिया जैसे ही वह हाथी देखने की बात करती है, उनके पीछे लगे शीशे में एक रिफलेक्शन दिखाई देता है। आलिया के फैन्स का मानना है कि वह रणबीर कपूर ही हैं। वैसे उस शख्स के फिजीक से वह रणबीर जैसा ही लग रहे हैं।

उन्होंने शर्ट नहीं पहनी है और वेस्ट में दिख रहे हैं।

इस वीडियो में फैंस लगातार कमेंट कर आलिया से उस शर्टलेस शख्स के बारे में पूछ रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'रणबीर शर्टलेस हैं।' वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'ओ दोनों एक साथ रह रहे हैं।' इस तरह से कई यूजर कमेंट करते नजर आ रहे हैं।

आपको बता दें कि सोमवार को आए चक्रवाती तूफान ताउते ने महाराष्ट्र के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई है। इसमें बॉलीवुड सितारों के घर भी शामिल हैं। तूफान ताउते ने बॉलीवुड के मशहूर कलाकार अभिनेता रणबीर कपूर और अभिनेत्री आलिया भट्ट के घर को भी तबाह कर दिया है। दरअसल, दोनों खबरों की मानें तो रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और यह दोनों जल्द शादी कर सकते हैं। ऐसे में शादी से पहले यह दोनों मुंबई के बांद्रा में अपना नया घर बनवा रहे हैं। फिलहाल रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का यह घर निर्माणाधीन है। सोमवार को जब ताउते तूफान आया तो उनके इस घर में काफी नुकसान हुआ है।

कृष्णा श्रॉफ को मुंबई एयरपोर्ट पर किया गया स्पॉट, दिखा दिलकश अंदाज

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ की बेटी कृष्णा श्रॉफ सोशल मीडिया पर हॉट एंड बोल्ड लुक के चलते चर्चा में रहती हैं। उनके फोटोज वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। अब उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था। इस वीडियो में कृष्णा एयरपोर्ट पर वॉक करती नजर आ रही हैं।

उनकी इस वीडियो को पैपराज फोटोग्राफर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। वीडियो में फोटोग्राफर उनसे पूछता हैं कि कैसी हो मैम, जिसका जवाब देते हुए कृष्णा कहती हैं मैं ठीक हूं तुम कैसे हो। इस वायरल वीडियो में कृष्णा श्रॉफ ब्लैक कलर के क्रॉप टॉप के साथ कोविड- 19 प्रोटोकॉल्स का पालन करती नजर आ रही हैं।

इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को शेयर कर विलियम शेक्सपियर के एक कोट्स को लिखते हुए एक खास कैप्शन भी लिखा है। साथ ही वीडियो पर कमेंट कर कृष्णा श्रॉफ ने कमेंट कर कैप्शन की तारीफ करते हुए लिखा, लव दैट कैप्शन।

हालांकि अभी ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि कृष्णा यात्रा के लिए कहां जा रही हैं और ना ही उन्होंने अपने एयरपोर्ट आने की वजह के बारें में कोई जानकारी शेयर की है। उनकी इस वीडियो को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

हाल ही में कृष्णा श्रॉफ ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की थीं, जिनमें वो बेहद बोल्ड अंदाज में नजर आ रही हैं। तस्वीरों में कृष्णा श्रॉफ रेड कलर की बिकिनी में पोज देती नजर आ रही हैं। उनकी बॉडी पर बने टैटू उनके लुक को और भी आकर्षित बना रहे रहें। इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने कैप्शन लिखा, औ नेचरल।

इसके अलावा कृष्णा अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड एबन हायम्स के साथ हुए ब्रेकअप को लेकर भी काफी चर्चा में रही थीं। अपने ब्रेकअप की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए फोटोज डिलीट कर दी थी।

25 गर्लफ्रेंड बनाने के बाद अनिल कपूर ने सुनीता कपूर से की थी शादी, दोनों की दिलचस्प लव स्टोरी

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के गलियारों में कई ऐसी लव स्टोरीज हैं जो लोगों के लिए एक मिसाल हैं। पहली नजर का प्यार... फिर एकरार और फिर शादी.. ऐसा सिर्फ फिल्मों ने नहीं होता असल ज़िंदगी में भी होता है। ऐसा ही कुछ हुआ था अनिल कपूर के साथ जब उन्होंने पहली बार सुनीता कपूर को देखा था। सुनीता को पहली ही बार देखकर अनिल उन्हें अपना दिल दे बैठे थे, लेकिन शादी तो छोड़िए पहले अनीता तक पहुंच पाना ही अनिल के लिए बहुत मुश्किल था। पर एक्टर ने हार नहीं मानी और अपनी मोहब्बत की मंज़िल तक पहुंचाकर ही दम ली।

दोनों की शादी को आज 37 साल हो गए हैं, लेकिन आज भी दोनों का प्यार एक दूसरे के लिए कम नहीं हुआ है। हाल ही में अनिल और सुनीता ने अपनी 37 वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट की है। तो चलिए इस खास मौके पर हम आपको बताते हैं इनकी दिलचस्प लव स्टोरी।

शादी से पहले थीं 25 गर्लफ्रेंड

शादी से पहले अनिल कपूर ने बहुत लड़कियों को डेट किया था। अर्जुन कपूर के साथ एक इंटरव्यू के दौरान अनिल ने बताया था कि उन्होंने स्कूल के दिनों से मौज-मस्ती करना शुरू कर दिया था। अनिल को पढ़ाई करना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था इसलिए वो कॉलेज की कैंटीन में जाकर बैठ जाते थे। तब उन्होंने 3-4 लड़कियों को डेट किया। इसके

बाद फिल्म इंडस्ट्री में 20-25 लड़कियां उनकी गर्लफ्रेंड बनीं, लेकिन सुनीता सबसे बेस्ट थी। वो मेरी दोस्ती भी दी और फिर हम दोनों ने शादी कर ली।

कैसे हुई सुनिता से मुलाकात..

साल 2018 में को दिए एक इंटरव्यू में अनिल ने अपनी लव स्टोरी को लेकर कई खुलासे किए थे। अनिल ने बताया था किस तरह वो पहली बार सुनीता से मिले और फिर बात शादी तक पहुंची। एक्टर को सुनीता का नंबर उनकी किसी दोस्त ने प्रैंक कॉल करने के लिए दिया था, लेकिन जब अनिल ने सुनीता बात की तो उन्होंने उनकी आवाज से प्यार हो गया। इसके बाद वो लोग एक पार्टी में मिले और अनिल को सुनीता पहली ही नजर में पसंद आ गईं। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और दोनों दोस्त बन गए। पहले अनिल सुनीता से किसी दूसरी लड़की के बारे में बात करते थे जिसे वो पसंद करते थे। लेकिन फिर वो लड़की अनिल का दिल तोड़कर चली गई और इसके बाद सुनीता और एक्टर बॉन्डिंग स्ट्रॉन्ग हो गई।

सुनीता उठाती थीं खर्च...

आज अनिल भले ही करोड़ों के मालिक हों लेकिन अपने स्ट्रगलिंग डेज में अनिल कपूर के पास टैक्सी के किराए तक के पैसे नहीं होते थे। उनका बहुत बड़ा खर्च सुनीता उठाती थीं। उस वक्त अनिल कूपर के पास कुछ खास काम नहीं था, उनके पास कैब में देने तक के पैसे नहीं होते थे तब सुनीत पैसे देती थीं ताकी अनिल को उनसे मिलने के लिए घंटों बस से ट्रेवल कर के न आना पड़े।

एक दिन में हुई शादी...

अनिल ने इस दौरान खूब स्ट्रगल किया और सुनीता ने उन्हें बहुत सपोर्ट किया। फिर 1985 में जब अनिल कपूर को मेरी जंग के जरिए एक बड़ा ब्रेक मिला तब उन्होंने सुनीता को प्रपोज करने का फैसला किया। 17 मई 1984 में उन्होंने फिल्म साइन की, 18 मई प्रपोज किया और 19 मई को दोनों ने शादी कर ली। अनिल ने सुनीता को पहले इसलिए प्रपोज नहीं किया था क्योंकि सुनीता ने मना कर दिया था कि वो किचन का काम नहीं करेंगी। तब जब अनिल कपूर को 'मेरी जंग' मिली उन्हें लगा अब वो घर में नौकर रखना अफॉर्ड कर सकते हैं और तब जाकर उन्होंने सुनीता को प्रपोज किया। ये सुनीता का ही आइडिया था कि वो या तो अगले दिन शादी करें या फिर कभी नहीं। एक्टर कई बार सोशल मीडिया के जरिए भी अपनी लव स्टोरी का जिक्र कर चुके हैं। अपनी सालगिरह के मौके पर अनिल ने सुनीता के लिए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर किया था।

एक नजर...

यूपी सरकार के सोशल मीडिया सेल में तैनात युवक ने लगाई फांसी

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरानगर स्थित वैशाली इन्क्लेव में रहने वाले पार्थ श्रीवास्तव (28) ने बुधवार सुबह फांसी लगा ली। घर वाले उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गये जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। परिवारीजनों ने शव को मर्च्यूरी में रखवा दिया था। पार्थ सरकार के लिये काम करने वाली सोशल मीडिया में कर्मचारी करता था। उसने दो पन्ने का सुसाइड नोट भी लिखा था जिसमें साथ काम करने वाले दो कर्मचारियों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। घर वालों ने पुलिस को यह सुसाइड नोट नहीं दिया और न ही इस सम्बन्ध कोई तहरीर पुलिस को दी है। इंस्पेक्टर इंदिरा नगर अजय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने पुलिस को एक प्रार्थना पत्र दिया था जिसमें लिखा है कि उनके बेटे ने खुदकुशी कर ली है। इस सम्बन्ध में उचित कार्रवाई की जाये। लोहिया अस्पताल से भी पुलिस को पार्थ के आत्महत्या करने की सूचना दी गई थी। इसके बाद ही पुलिस ने पंचनामा भरकर पार्थ के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया था। गुरुवार को पोस्टमार्टम होने के बाद शव को घर वालों के सिपुर्द कर दिया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि घर वालों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है।

यूपी मौसम अलर्ट, कुछ स्थानों पर भारी बारिश के आसार

लखनऊ। तौकते तूफान का असर गुरुवार को उत्तर प्रदेश में दिखाई पड़ा। सूबे के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी भारत के ऊपर बना दबाव का क्षेत्र अब कमजोर पड़ रहा है। बावजूद इसके शुक्रवार को सूबे के उत्तर पूर्वी और उत्तर पश्चिमी हिस्सों में कुछ स्थानों पर वर्षा हो सकती है। गुरुवार को सबसे अधिक बारिश फतेहगढ़ में 60.4 मिलीमीटर दर्ज की गई। इसके अलावा चुर्क में 44.8, नजीबाबाद में 53.0, गोरखपुर में 23.2, बरेली में 32.0 और शाहजहांपुर में 19.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि तौकते के कारण दबाव का क्षेत्र बना जिसकी वजह से उत्तर भारत में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई है। अगले 24 घंटों के बारे में अनुमान है कि प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से भारी वर्षा हो सकती है। अधिकतम तापमान में इसकी वजह से पांच डिग्री तक गिरावट हो सकती है। गुरुवार को पूरे प्रदेश में सबसे अधिक तापमान बस्ती में 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं कानपुर मंडल में तापमान सामान्य से पांच डिग्री नीचे, वाराणसी, प्रयागराज, मुरादाबाद, मेरठ और आगरा मंडलों में 1.6 से 3.0 डिग्री तक नीचे रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही, रामलाल ने टेस्ट कराया रिपोर्ट मिली किशनलाल की

लखनऊ। ज्यादा काम का दबाव और कुछ लापरवाही भी। नतीजा यह है कि एक ही मरीज की स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल पर दो से तीन आईडी बन रही हैं। ऐसा एक ही व्यक्ति के दो बार टेस्ट में अलग अलग नम्बर दर्ज करने की वजह से हो रहा है। इसके अलावा कई मामले ऐसे भी हैं जहां जल्दबाजी में मरीज का नम्बर गलत दर्ज हो गया। मतलब ऐसे में टेस्ट रामलाल ने कराया और रिपोर्ट किशनलाल के नम्बर पर दिख रही है। दोहरी आईडी और नम्बर दर्ज करने में गलतियों के मामले 15 फीसदी तक हैं। खुद जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि गुरुवार को यदि लखनऊ में 353 नए संक्रमित मिले तो इनमें 45 से 50 दोहरी आईडी के कारण हैं। इस गड़बड़ी पर रोक लगाने के लिए सभी सीएचसी को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही निजी लैब और अस्पतालों को भी चेताया गया है कि ऐसी गड़बड़ियां न होनें पाएं इसका खयाल रखा जाए। रोजाना 50 के करीब ऐसे मामले सामने आ रहे हैं।

केस-1

इन्दिरा नगर के एक मरीज की जांच के बाद रिपोर्ट नहीं आई। जांच टीम के नम्बर पर कॉल किया तो वहां से बताया गया कि रिपोर्ट तो पोर्टल पर चढ़ गई है। फिर कुछ देर बाद फोन आया कि उनके नम्बर में गड़बड़ी हो गई। रिपोर्ट किसी दूसरे के नम्बर पर चढ़ गई।

केस-2

कैसरबाग के एक मरीज ने जांच कराई। जब रिपोर्ट चेक की तो किसी दूसरे की थी। कुछ देर में उनके मोबाइल पर दूसरे व्यक्ति के नाम से कॉल आने लगीं होम आइसोलेशन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए। आरआरटी टीम से सम्पर्क किया तो रिपोर्ट सही हुई।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव जफरयाब जिलानी को ब्रेन **लखनऊ।** ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव और बाबरी मस्जिद कमेटी के वकील रहे जफरयाब जिलानी को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि दफ्तर से बाहर आते समय उनका पैर फिसल गया और वह गिर गए। गुरुवार शाम को उनको ब्रेन हेमरेज आ गया है। डाक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है, फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अपने देश का सबसे चर्चित मुकदमा लड़ने वाले सर्वोच्च न्यायालय के सीनियर वकील जफरयाब जिलानी बाबरी मस्जिद और राम जन्मभूमि मामले में कोर्ट में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की तरफ से वकील रहे हैं। जफरयाब जिलानी की तबीयत के बारे में उनके बेटे नजम ने बताया कि उनके पिता की तबीयत खराब है और उनको हॉस्पिटल में आनन-फानन में एडमिट कराया है। अब उन्हे होश आ गया है।

ज़फरयाब जिलानी सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील हैं। जिलानी बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामले में सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के ओर से वकील रहे। सुप्रीम कोर्ट में वह बाबरी मस्जिद की तरफ से पैरवी कर रहे थे। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव और बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के संयोजक रहे जफरयाब जिलानी समय-समय पर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। मेंदांता हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ राकेश कपूर ने बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता जिलानी को भर्ती कर जांच की जा रही है। उनका ब्लड प्रेशर अधिक हो गया था। हेड इंजरी की संभावना है। एमआरआई व खून की कई जांच करायी गई गई हैं। जांच रिपोर्ट आने पर वजह स्पष्ट होगी। चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम उनकी निगरानी में लगी हुई है।

सीएम योगी का आदेश : इन जिलों में रोजाना 10 हजार कोरोना टेस्ट हो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 30 लाख से अधिक आबादी वाले जिलों में रोजाना कम से कम 10 हजार टेस्ट किए जाएं। उन्होंने कहा है कि अन्य राज्यों में कोविड-19 संक्रमण की स्थिति के मद्देनजर यह खतरा अभी टला नहीं है। उत्तर प्रदेश कई राज्यों और नेपाल राष्ट्र की सीमा से जुड़ा है। ऐसे में, किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता न बरती जाए। मुख्यमंत्री योगी गुरुवार रात वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए डीएम व सीएमओ से बात कर कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। 'मेरा गांव, कोरोना मुक्त गांव' के लिए टीम वर्क के साथ कार्य किया जाए। यदि किसी जिले में आक्सीजन प्लांट की जरूरत है तो उसका प्रस्ताव शीघ्र मुख्य सचिव को भेज दें। पोस्ट कोविड वार्ड की भी स्थापना कर मरीजों का इलाज सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एग्रेसिव टेस्टिंग की नीति के अनुरूप विगत 24 घंटों में प्रदेश में 2 लाख 91 हजार 156 टेस्ट किए गए। टेस्टिंग में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक टेस्टिंग करने वाला राज्य है। हमें टेस्टिंग और तेज करनी होगी। महिलाओं और बच्चों के लिए भी डेडिकेटेड अस्पताल संचालित रहें। प्रत्येक जनपद में डायलिसिस की सुविधा मरीजों को उपलब्ध रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच और इलाज के संबंध में प्राइवेट लैब व निजी अस्पतालों द्वारा मनमानी और ओवर चार्जिंग की स्थिति में उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निजी एम्बुलेंसों द्वारा भी मनमाना किराया वसूली को रोका जाए। एम्बुलेंस पर रेट लिस्ट चस्पा रहे। मुख्यमंत्री ने कानपुर नगर, सम्भल, गाजीपुर, महोबा, अयोध्या, बाराबंकी, मथुरा, जालौन आदि के जिलाधिकारियों से बात की।

गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, सहारनपुर, बुलन्दशहर में अच्छा काम हुआ-मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 अप्रैल के बाद से प्रतिदिन एक लाख कोविड केस होने की आशंका व्यक्त की गयी थी, जिसे सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित कर लिया गया है। कई जिलों में प्रभारी अधिकारियों ने भी अच्छा कार्य किया है। गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, सहारनपुर, बुलन्दशहर आदि में कोविड प्रबन्धन के सम्बन्ध में अच्छा कार्य हुआ है। दिल्ली की अपेक्षा हमारी स्थिति बेहतर रही है। कोविड प्रबन्धन के लिए प्रतिदिन डीएम, सीएमओ सहित अधिकारियों की बैठकें की जाएं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद बनाते हुए खाद्यान्न वितरण के दौरान उन्हें राशन की दुकानों का भ्रमण करने के लिए आमंत्रित किया जाए।

कुलपति समिति का फैसला, यूपी में अंतिम वर्ष वालों की होगी परीक्षा

लखनऊ। प्रदेश में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्र-छात्राओं को प्रोन्नत किया जाएगा। कोरोना महामारी की परिस्थितियों को देखते हुए प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रोन्नत करने के बारे में शासन को सलाह देने के लिए कुलपतियों की तीन सदस्यीय समिति गठित की गई थी। समिति ने शासन को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इसमें गत वर्ष की भांति अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं की परीक्षाएं कराने की सिफारिश की गई है। हालांकि इस पर अंतिम निर्णय राज्य सरकार की ओर से लिया जाएगा। फिलहाल इससे प्रदेश के लाखों छात्र लाभान्वित होंगे।

कोरोना महामारी में उच्च शिक्षा के छात्रों की परीक्षा कराई जाएं या फिर प्रोन्नत किया जाएं या कोई अन्य विकल्प लिया जाए तो इसके लिए शासन ने तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय, कानपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक और महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के कुलपति प्रोफेसर कृष्ण पाल सिंह शामिल है।

पिछले वर्ष के मॉडयूल पर समिति सहमत- समिति ने उच्च शिक्षण संस्थान के हर पहलू पर मंथन किया। इसमें सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम में कुछ विश्वविद्यालयों में पिछले सत्र में पहले सेमेस्टर की परीक्षा हो चुकी थी। जबकि इस शैक्षणिक सत्र में प्रवेश विलंब से होने के कारण सेमेस्टर की परीक्षा भी नहीं हुई है। ऐसे में पूर्व के सेमेस्टर के आधार पर अंक देकर प्रमोट किया जा सकता है। बीते वर्ष शैक्षणिक सत्र में स्नातक प्रथम व द्वितीय वर्ष और परास्नातक के प्रथम वर्ष के छात्रों को इस आधार पर प्रमोट किया गया था। सूत्रों के अनुसार समिति ने माना है कि कोरोना काल के दौरान परीक्षाएं कराना असंभव है और ऑनलाइन भी परीक्षाएं होना काफी मुश्किल हो जाएगा, ऐसे में समिति के समक्ष अंतिम वर्ष के छात्रों की परीक्षाएं और अन्य वर्ष छात्रों को प्रमोट करने का विकल्प ही है।

एमसीक्यू पर होगी परीक्षा-लविवि में बीते वर्ष शासन के निर्देश पर अंतिम वर्ष के स्नातक व परास्नातक के अंतिम वर्ष की परीक्षा कराई गई थी। साथ ही पीजी डिप्लोमा की भी परीक्षा हुई थी। यह परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) के आधार पर हुई थी। इसी आधार पर लविवि में परीक्षा कराने की संभावना है।

हरदोई में बेटे ने पिता को गोली उड़ाया घर में शव दफनाने की कोशिश

हरदोई। हरदोई के बिलग्राम कोतवाली के मोहल्ला मलकण्ठ बजरिया में गुरुवार देर रात बेटे ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। परिजन शव को घर में ही शव दफन करने के लिए गड्ढा खोद रहे थे। इसी बीच गोली चलने की जानकारी पुलिस तक पहुंच गई और वह मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आरोपित युवक, मां व एक किशोरी को हिरासत में लिया है। मलकंठ बजरिया निवासी शिवनाथ व्यापारी थे। परिवार में दो बेटे रोहित, अन्नू, पत्नी और एक बेटी है। काफी दिनों से परिवार में संपत्ति को लेकर कलह चल रही थी। गुरुवार की रात फिर घर में विवाद हुआ, गुस्से में एक बेटे ने तमंचे से पिता को गोली मार दी। आसपास के लोगों ने गोली चलने की आवाज सुनी तो पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर सीओ बिलग्राम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना पर कुछ देर में एएसपी पूर्वी अनिल कुमार भी मौके पर पहुंचे और आरोपितों को हिरसात में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ शुरू की। पुलिस के मुताबिक घर के अंदर एक गड्ढा खुदा हुआ था। आशंका जताई कि हत्या के बाद परिजन शव को घर में दफन करने की तैयारी कर रहे थे। एएसपी ने बताया कि अभी परिजनों की ओर से तहरीर नहीं दी गई है, जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कोरोना मरीजों की जान से खेल रहा था सरकारी टीचर डाक्टर बनकर इलाज के बहाने वसूलता था मोटी रकम

लखनऊ। फर्जी डॉक्टर बनकर कोरोना संक्रमित मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाला सरकारी अध्यापक शिवेन्द्र पटेल ने वसूली करने के लिए भी नायाब तरीका निकाला था। वह पांच-छह सौ प्रतिदिन के हिसाब से ड्राइवर रखता था और तीन दिन बाद उन्हें हटाकर नया ड्राइवर रख लेता था। ऐसे तीन ड्राइवरों का ब्योरा पुलिस को मिल गया है जिनकी तलाश की जा रही है। वहीं अब तक की पड़ताल में शिवेन्द्र की पत्नी की संलिप्तता सामने नहीं आयी है। उधर पुलिस ने आरोपी अध्यापक को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बाराबंकी के सफरदरगंज स्थित इंटर कॉलेज में तैनात सरकारी अध्यापक शिवेन्द्र फर्जी डॉक्टर बनकर कोरोना मरीजों का घर पर ही इलाज करने का झांसा देकर वसूली करता था। वह होम आइसोलेशन कर मरीज के कमरे में ही आईसीयू बनाने की बात कहकर भरोसे में लेता था। फिर इसके बदले दो से तीन लाख रुपये वसूल लेता था। एडीसीपी पूर्वी कासिम आब्दी की टीम ने बुधवार को उसे गिरफ्तार कर लिया था। यह कार्रवाई एक मरीज की मौत होने के बाद उसकी पत्नी खुशबू की शिकायत पर की गई थी।

ड्राइवरों की तलाश तेज-एडीसीपी कासिम के मुताबिक तीन ड्राइवर सबसे ज्यादा दिन तक इनके साथ रहे। इनकी तलाश की जा रही है। शिवेन्द्र की गिरफ्तारी होते ही इन तीनों ड्राइवरों के मोबाइल स्विच ऑफ हो गये हैं। इन ड्राइवरों की भूमिका पता की जा रही है। इन ड्राइवरों के सामने आने पर शिवेन्द्र के कई और राज सामने आ सकते हैं। वहीं पुलिस शिवेन्द्र को रिमाण्ड पर भी लेने के लिये कोर्ट में अर्जी देगी।

पत्नी को शिवेन्द्र की करतूत नहीं पता थी-इंस्पेक्टर चिनहट धनंजय पाण्डेय ने बताया कि शिवेन्द्र की पत्नी को पति की इस कारगुजारी के बारे में नहीं पता था। वह घर पर इस सम्बन्ध में कुछ नहीं बताता था। पत्नी ने दो-तीन बार नव्या क्योर मेडिक्स के पर्चे देखे तो शिवेन्द्र ने उसे अपने दोस्तों का बता दिया था। इस पर्चे पर कहीं भी शिवेन्द्र ने अपना नाम नहीं लिखा था। इन पर्चों में उसने कई डॉक्टरों का जिक्र किया था जिन्हें वह अपनी टीम का बताता था।

आरोपी शिक्षक को बर्खास्त करने की संस्तुति करेगी पुलिस-फर्जी डॉक्टर बनकर इलाज करने वाले सरकारी अध्यापक शिवेन्द्र को बर्खास्त करने की संस्तुति पुलिस शिक्षा विभाग से करेगी। एडीसीपी कासिम ने बताया कि शुक्रवार को इस सम्बन्ध में माध्यमिक शिक्षा आयोग और शिक्षा भवन को पत्र भेजा जायेगा।

सुलतानपुर में राहत की खबर

फीसदी कोविड मरीज घटे, 777 एक्टिव केस

सुलतान। सुलतानपुर में बड़ी राहत की खबर है। जिले में कोरोना मरीजों की संख्या 85 फीसदी गिरावट दर्ज की गई है। उच्च स्तर पर 4000 एक्टिव केस की संख्या अब 777 पर पहुंच गई है। जिलाधिकारी रवीश गुप्त बताते हैं कि उच्चतम स्तर पर 754 केस प्रतिदिन आने लगे थे, वो वर्तमान में 70 से 80 प्रतिदिन पर आ गया है, जबकि टेस्टिंग की संख्या पहले से और बढ़ा दी है। सुलतानपुर में कोरोना की दूसरी लहर अप्रैल 21 में आ गई। पंचायत चुनाव नामांकन के बाद से जिले में कोरोना बम धमाके होने लगे। इससे आम जनता और प्रशासन दोनों की मुश्किलें बढ़ गई।19 अप्रैल को कोविड मरीजों का आंकड़ा जिले में 754 पहुंच गया। कोविड मरीजों का मृत्यु दर भी बढ़ गया।

सुलतानपुर जिले में ऐसे बढे मरीज- जिले में 31 मार्च को 2617 सैम्पल की रिपोर्ट में चार कोरोना मरीज मिले थे। अप्रैल माह के शुरुआती में एक अप्रैल को 2347 सैम्पल में 20 व्यक्तियों को कोविड संक्रमित पाया गया था। 14 अप्रैल को यह संख्या 25 गुना बढ़ गई। 2090 सैम्पल में 265 कोरोना मरीज पाए गए। 15 अप्रैल को 2135 सैम्पल में 133 व्यक्तियों कोरोना पॉजिटिव मिले। 16 अप्रैल को 2286 सैम्पल में 309 कोरोना मरीज मिले।17 अप्रैल को 2176 सैम्पल में 224 कोविड संक्रमित मिले।18 अप्रैल को 1020 सैम्पल में 490 व्यक्तियों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया।19 अप्रैल को 1575 सैम्पल में 754 व्यक्तियों को कोविड संक्रमित पाया गया। 21 अप्रैल 2643 सैंपल में 489 कोरोना मरीज मिले।एक माह बाद 19 मई को 2266 सैम्पल में 93 व्यक्तियों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया।

12 वेंटिलेटर का हो रहा संचालन-जिले में 50 बेड ट्रॉमा सेंटर लेवल 2 हास्पिटल में 12 वेंटीलेटर संचालित था। उसमें सीएसआर के माध्यम से 50 बेड का ऑक्सीजन प्लांट लगवाया गया है। इससे अस्पताल ऑक्सिजन के विषय मे मरीज व उनके तीमारदार आत्मनिर्भर हो सके।

मरीज बढ़ने के साथ बढ़ी व्यवस्था-बढ़ते हुए रोगियों की संख्या को देखते हुए केएनआईटी में अतिरिक्त अस्पताल बनाया गया । जबकि कोविड एल 2 ने 50 बेड व जिला अस्पताल में 75 बेड पर आइसोलेशन सुविधा है। जहां पर इंट्रावेनस ट्रीटमेंट भी चलाया जा रहा है। वर्तमान में 200 बेड हैं और आवश्यकतानुसार 600 बेड तत्काल किये जा सकते हैं।

जन प्रतिनिधियों ने दिखाई दरियादिली-जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जनपद के कई सीएचसी में ऑक्सीजन प्लांट लगाया जा रहा है। प्रदेश में विधायक निधि से पहला प्लांट कादीपुर विधायक राजेश गौतम की निधि से लगा।

स्थापित है कंट्रोल सेंटर-स्टेट ऑफ दी आर्ट इंटीग्रेटेड कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेन्टर स्थापित किया गया है। सभी होम आइसोलेटेड मरीजों से दैनिक वार्ता एवं टेली चिकित्सा दी जाती है। साथ ही एडमिशन, एम्बुलेंस, रेफरल, उपचार आदि से जुड़ी समस्याओं का सिंगल विंडो समाधान भी यहाँ से सीधे होता है। सीसी टीवी के माध्यम से कोविड अस्पतालों पर कमांड सेन्टर सीधी निगाह रखता है।

2500 टीमें कर रही निगरानी-क्षेत्र में 1000 के लगभग निगरानी समिति एवं 2500 के लगभग जाँच टीमें भी लगातार भ्रमण कर के रोग के फैलाव पर नज़र एवं नियंत्रण रख रहे हैं। इनका अनुश्रवण जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य अधिकारी गण फील्ड में उतर कर कर रहे हैं। जिलाधिकारी गुप्ता कहते हैं कि जिले में 85 फीसदी कोविड मरीजों की संख्या घट गई है। कोरोना के फैलाव पर नजर रखी जा रही है।

सागर राना मर्डर केस

सीसीटीवी फुटेज सामने आई, तो क्या हरिद्वार के आश्रम में छिपा हुआ है सुशील पहलवान?

मेरठ। दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में पहलवान सागर राणा की हत्या में फरार एक लाख के इनामी सुशील पहलवान की पहली तस्वीर सामने आई है। दिल्ली पुलिस का दावा है कि वह मेरठ से होकर भागा है और हरिद्वार के आश्रम में छिपा हुआ है। मेरठ एसटीएफ भी उसकी तलाश में जुट गई है। दिल्ली-देहरादून हाईवे स्थित सिवाया टोल प्लाजा पर छह मई की रात करीब एक बजे वह कार में हरिद्वार की तरफ जाते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। दिल्ली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले ली है। बाकायदा इसमें कार का नंबर आ गया है। कार को एक अन्य व्यक्ति ड्राइव कर रहा है, जबकि सुशील आगे वाली सीट पर बैठा नजर आ रहा है। पुलिस को शक है कि ड्राइविंग सीट पर बैठे शख्स ने ही सुशील को छिपाने में मदद की है। दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यह कार मेरठ से हरिद्वार तक ट्रेस की गई है। रुड़की से आगे पतंजलि पीठ के आसपास तक कार सीसी कैमरे में देखी गई है। पुलिस को शक है कि सुशील पहलवान हरिद्वार के किसी आश्रम में छिपा बैठा है। हालांकि छह मई की यह तस्वीरें 20 मई को सामने आई हैं, इसलिए पुख्ता तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि सुशील की ताजा लोकेशन कहां हो सकती है।

मेरठ एसटीएफ भी तलाश में जुटी-उत्तराखंड के कई इलाकों में मेरठ एसटीएफ का अच्छा-खासा नेटवर्क है। इसलिए मेरठ एसटीएफ भी सुशील पहलवान की तलाश में जुट गई है। सूत्रों ने बताया कि एसटीएफ ने हरिद्वार में अपने मुखबिरों को सतर्क कर दिया है। सुशील के बारे में कोई भी सूचना तत्काल देने के लिए कहा है।

दिल्ली पुलिस ने हमसे संपर्क नहीं किया: सीओ-सिवाया टोल प्लाजा मेरठ के दौराला सर्किल में आता है। इस सर्किल के सीओ संजीव दीक्षित ने बताया कि उन्हें इस फुटेज के बारे में जानकारी नहीं है। हो सकता है कि दिल्ली पुलिस ने सीधे टोल प्लाजा पर पहुंचकर यह फुटेज निकलवाई हो। सीओ ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने इस केस में हमसे कोई संपर्क नहीं किया है।

श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया के कोच रहेंगे राहुल द्रविड़

2014 में भी रह चुके हैं बल्लेबाजी सलाहकार

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारत के पूर्व कप्तान और वर्तमान राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख राहुल द्रविड़ जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों के लिए टीम इंडिया के कोच होंगे। इससे पहले 2014 में इंग्लैंड दौरे के दौरान वह बल्लेबाजी सलाहकार के रूप में काम कर चुके हैं। समाचार एजेंसी एएनआइ से बात करते हुए घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि। उन्होंने कहा कि रवि शास्त्री, भरत अरुण और विक्रम राठौर टेस्ट टीम के साथ इंग्लैंड में होंगे। ऐसे में श्रीलंका दौरे के लिए द्रविड़ कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे।

अधिकारी ने कहा, 'टीम इंडिया का कोचिंग स्टाफ इंग्लैंड में होगा और अच्छा होगा कि युवा टीम को द्रविड़ गाइड किया जाता है। वह पहले ही लगभग सभी भारत 'ए'खिलाड़ियों के साथ काम कर चुके हैं। युवा उनके साथ अच्छा महसूस करते हैं। इससे अतिरिक्त लाभ होगा।' 2019 में एनसीए के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, द्रविड़ ने अंडर -19 स्तर के साथ-साथ भारत 'ए' टीम में युवाओं के साथ मिलकर काम किया था। वास्तव में, उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय टीम के लिए एक ठोस बेंच स्ट्रेंथ बनाने में एक अभिन्न भूमिका निभाई है। श्रीलंका सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन महीने के अंत में होने की उम्मीद है और लड़कों को तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने से पहले क्वारंटाइन में रहना होगा। तीन वनडे 13 से 19 जुलाई को खेले जाएंगे और टी20 मैच 22-27 जुलाई के बीच खेले जाने की उम्मीद है। जहां युवा भारतीय खिलाड़ी सीमित ओवरों की सीरीज में श्रीलंका से भिड़ेंगे,वहीं विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम इंग्लैंड में 4 अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इससे पहले 18 से 22 जून तक साउथैंप्टन में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड के साथ मुकाबला होगा।

रिद्धिमान साहा की जगह इस विकेटकीपर को मिल सकता है इंग्लैंड दौरे पर मौका: रिपोर्ट

भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने इंग्लैंड में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेलेगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले के लिए टीम का चयन किया जा चुका है। 20 सदस्यीय टीम में इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में कोरोना संक्रमित हुए विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा का भी नाम शामिल है। उनका दौरे पर जाना फिटनेस पर निर्भर करता है लेकिन अब खबर है कि साहा की जगह विकेटकीपर केएस भरत को इंग्लैंड भेजा जा सकता है। एएनआई से बात करते हुए सूत्र ने बताया, उनको साहा के कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है क्योंकि वह अभी पूरी तरह से कोरोना संक्रमित होने के बाद फिट नहीं हो पाए हैं। अगर साहा समय पर पूरी तरह से फिट नहीं हो पाते हैं तो हमें दौरे पर टीम में दूसरा विकेटकीपर होना चाहिए। दौरा तीन महीना लंबा है और ऐसे में हमें दूसरे विकेटकीपर की जरूरत पड़ेगी। बीसीसीआइ ने भारत को इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले बेहद मजबूत योजना बनाई है। इंग्लैंड में पहले भारतीय टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में 18 से 22 जून के बीच न्यूजीलैंड से खेलना है। इसके बाद भारतीय टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में मेजबान इंग्लैंड का मुकाबला करेगी। 2 जून को टीम इंडिया के सभी दौरे पर चुने गए खिलाड़ियों को रवाना होना है। इसमें रिद्धिमान साहा और केएल राहुल का नाम भी शामिल है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मैच से पहले गरजे चेतेश्वर पुजारा, कहा– भारत में किसी भी टीम को हराने की क्षमता

भारतीय क्रिकेट टीम को आइसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है और विराट कोहली की टीम को ये बात अच्छी तरह से पता है कि, कीवी टीम को हराना आसान नहीं होने वाला है। अब इस मुकाबले से पहले टीम इंडिया के मध्यक्रम के बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने टीम इंडिया को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि, इस वक्त टीम इंडिया इतनी मजबूत है कि वो दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकती है। पुजारा ने टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ आइसीसी टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल मैच के बारे में बात करते हुए कहा कि, दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि, पिछले दो साल की बात करें तो टीम इंडिया का प्रदर्शन और सफर काफी अच्छा रहा है। हमने अच्छा प्रदर्शन किया और इसी का नतीजा है कि, हमने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टॉप क्वालिटी का मैच देखने को मिलेगा। दोनों ही टीमें इस समय बराबरी की दिख रही है और हमारे सारे बेस कवर हैं। अगर टीम इंडिया अपनी क्षमता के हिसाब से खेलती है तो हम दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकते हैं। पुजारा ने टीम इंडिया की बेंच स्ट्रेंथ के बारे में बात करते हुए कहा कि, हमारे पास टैलेंटड खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है।

भारतीय गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के पिता का निधन

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के पिता का निधन हो गया है। गुरुवार शाम यह दिल तोड़ने वाली बुरी खबर सामने आई। 63 साल के किरनपाल सिंह कैंसर की बीमारी के जूझ रहे थे। लंबे समय से उनका इलाज चल रहा था और घर पर ही भुवनेश्वर उनको रखकर उनकी सेवा कर रहे थे। पुलिस विभाग में कार्यरत किरन ने वॉलंटियर रिटायरमेंट लिया था। गुरुवार का दिन भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज भुवनेश्वर के लिए बेहद बुरी खबर लेकर आया। इस अनुभवी गेंदबाज ने अपने पिता को खेल दिया जो काफी समय से कैंसर की बीमारी से लड़ रहे थे। मेरठ में स्थित भुवनेश्वर के आवास पर पिता ने आखिरी सांस ली। उनके निधन की खबर करीबी के जरिए मालूम चली। उनके बीमारी की खबर पिछले साल ही सामने आई थी। वह लीवर कैंसर के पीड़ित थे जिसकी वजह से वह पिछले साल ही अस्पताल में भर्ती हुए थे। दिल्ली के एक अस्पताल में उनको भर्ती कराया गया था जहां उन्हें तकरीबन एक महीने रखा गया था।

इंग्लैंड सीरीज में भुवनेश्वर ने की थी वापसी

यूएई में पिछले साल खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के दौरान भुवनेश्वर चोटिल हो गए थे। सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलने वाले इस गेंदबाज को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में चोट लगने के बाद पूरे सीजन से बाहर होना पड़ा था। हाल ही में भारत के खिलाफ खेली गई सीरीज में भुवी ने वापसी की थी। 3 वनडे में इस

महान धावक मिल्खा सिंह हुए कोरोना पॉजिटिव, सेहत की दी जानकारी

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारत के दिग्गज एथलीट मिल्खा सिंह को कोरोना संक्रमित पाया गया है। जानकारी के मुताबिक उनको चंडीगढ़ के आवास पर आइसोलेशन कर दिया है। 91 साल के मिल्खा सिंह को फ्लाइंग सिख के नाम से जाना जाता है। भारत के इतिहास में महानतम धावकों में वह सर्वश्रेष्ठ हैं। गुरुवार को मिल्खा के कोरोना टेस्ट को पॉजिटिव पाया गया जिसके बाद उनको स्वास्थ्य पर ध्यान देने और तमाम प्रोटोकॉल का पालन करते हुए रखा गया है। पीटीआइ से अपने कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी खुद मिल्खा ने शेयर की। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए बताया, हमारे कई सहयोगी का टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है तो इसी वजह से परिवार के सभी सदस्यों का टेस्ट कराया गया था। टेस्ट की रिपोर्ट सामने आ गई है और इसमें घर के सभी सदस्यों नेगेटिव हैं सिर्फ मेरा ही एक टेस्ट पॉजिटिव आया है। बुधवार को मेरे कोविड टेस्ट की रिपोर्ट आई जिसके बाद मैं काफी चकित हूं। अपनी सेहत पर अपडेट देते हुए मिल्खा ने कहा, मैं पूरी तरह से स्वस्थ हूं।

ओलंपिक 800 मीटर के दो बार के चैम्पियन रूडिशा तोक्यो खेलों में भाग नहीं लेंगे

जेनेवा ■ एजेंसी

ओलंपिक के 800 मीटर स्पर्धा के दो बार चैम्पियन डेविड रूडिशा तोक्यो खेलों में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने के लिए नहीं उतरेंगे। रूडिशा के प्रतिनिधि मिशेल बोइटिंग ने गुरुवार को द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हैमस्ट्रिंग की समस्या से लगातार परेशान रहने के कारण रूडिशा की तोक्यो खेलों में भाग लेने की संभावना नहीं है। कोरोना वायरस महामारी के कारण एक साल बाद हो रहे ओलंपिक की शुरूआत 23 जुलाई से होगी जबकि एथलेटिक्स की स्पर्धाएं 31 जुलाई से होंगी। बोइटिंग ने कहा, वह अभी अपने अगले कदम पर विचार कर रहे है । वह संन्यास या फिर अभ्यास जारी रखने के बारे में सोच रहे हैं। कीनिया के 32 साल के रूडिशा ने 2017 सत्र के बाद चोट के कारण किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सके थे। रूडिशा ने लंदन ओलंपिक में एक मिनट 40.91 सेकेंड के रिकार्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने रियो ओलंपिक में अपनी सफलता को दोहराते हुए एक मिनट 42.15 सेकेंड के समय के साथ पीला तमगा हासिल किया था। वह 2011 और 2015 में विश्व चैम्पियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता है। बोइटिंग ने कहा की अभी वह स्पष्ट नहीं है कि रूडिशा यूजीन, ओरेगन में जिलंब से होने वाले 2022 विश्व चैंपियनशिप से वापसी करना चाहते है या नहीं। उन्होंने बताया, उनका लक्ष्य सिर्फ ओलंपिक था, पता नहीं वह विश्व चैम्पियनशिप के लिए खुद को प्रेरित कर पायेंगे।

27 साल की उम्र में इस गेंदबाज ने लिया संन्यास, 4 ओवर के अंदर शाहिद अफरीदी की टीम को किया था धराशायी

नई दिल्ली। बाए हाथ के स्पिनर इमरान कय्यूम ने क्रिकेट से सन्यास का ऐलान कर दिया है. उन्होने यह फैसला कंधे की चोट के चलते उठाया. इमरान कय्यूम केवल 27 साल के है. वे इग्लैड की काउटी टीम केंट के लिए खेलते थे. उन्होने तीनो फॉर्मेट मे कुल 82 मैच खेले. वे 2014 मे इस टीम से जुड़े थे. इससे पहले वे मिडिलसेक्स यूथ टीम और नॉर्थम्पटनशर व ससेक्स की सैकड इलेवन मे खेले थे. इमरान कय्यूम मूल रूप से पाकिस्तान के रहने वाले है. लेकिन उनके जन्म से ही पहले ही उनके माता-पिता इग्लैड चले गए थे. यहा पर 1993 मे मिडिलसेक्स मे इमरान कय्यूम का जन्म हुआ था. इमरान कय्यूम ने सन्यास का ऐलान करते हुए कहा, यह निराशाजनक है कि मेरा करियर बीच मे ही खत्म हो गया. लेकिन केंट के खिलाड़ी के रूप मे मैं अपने योगदान को देखता हू तो गर्व होता है. मेरे पास अच्छी यादे है. केंट क्रिकेट ने मुझे मेरे बचपन के सपने को पूरा करने का अवसर दिया जिसके लिए मै आभारी हूं. उन्होने मई 2016 में नॉर्थम्पटनशर के खिलाफ पहला फर्स्ट क्लास मैच खेला था. हालाकि इस फॉर्मेट मे उन्होने छह ही मैच खेले थे. हालाकि लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट मे वे लगातार खेले. यहा 29 लिस्ट ए मैच मे उन्होने 29 विकेट लिए तो 45 टी20 मैचों में 45 विकेट लिए थे. इमरान ने 2019 में टी20 ब्लास्ट मे समरसेट के खिलाफ मैच मे 21 रन देकर पांच विकेट लिए थे जो टी20 क्रिकेट मे उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा. वही साल 2020 मे इमरान पाकिस्तान के दौरे पर गई मेरिलबोर्न क्रिकेट क्लब की टीम मे भी शामिल थे।

लिवरपूल की प्रीमियर लीग शीर्ष चार में वापसी

लंदन ■ एजेंसी

लिवरपूल ने बुधवार को बर्नले को 3 . 0 से हराकर प्रीमियर लीग फुटबॉल में शीर्ष चार में वापसी कर ली है। अब वह रविवार को आखिरी दौर का मुकाबला खेलेगा। उसके चैम्पियंस लीग के लिये क्वालीफाई करने की संभावना प्रबल हो गई है जो पिछले महीने असंभव लग रहा था। मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर युनाइटेड क्वालीफाई कर चुके हैं। चेलसी 67 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है जबकि लिवरपूल और लीसेस्टर उससे एक अंक पीछे है। लिवरपूर गोल औसत के आधार पर चौथे और लीसेस्टर पांचवें स्थान पर है । लिवरपूल अगला मैच जीतने पर शीर्ष चार में रहेगा। लीसेस्टर को टोटेनहम के खिलाफ खेलना है और लिवरपूल तथा चेलसी के जीतने पर उसकी राह कठिन हो जायेगी। चेलसी को एस्टोन विला से खेलना है।

जिस गेंदबाज के नाम से कांपते थे बल्लेबाज, वो आज दो वक्त की रोटी को मोहताज

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

वेस्ट इंडीज के धुरंधर तेज गेंदबाज पैट्रिक पेटरसन तंगहाली से गुजर रहे हैं. उनके पास खाना खाने के भी पैसे नहीं हैं. पैट्रिक पेटरसन क्रिकेट से दूर होने के बाद गुमनामी में खो गए थे. कुछ साल पहले एक भारतीय पत्रकार की रिपोर्ट के बाद वे दुनिया के सामने आए थे. खेल पत्रकार भरत सुंदरेसन जब 2017 में टीम इंडिया के वेस्ट इंडीज दौरे को कवर करने के लिए गए थे तब उन्होंने पेटरसन को ढूंढ निकाला था. अब उन्होंने ही पेटरसन की खराब माली हालत के बारे में जानकारी दी है. सुंदरेसन ने ट्वीट कर कहा कि पैट्रिक पेटरसन का रोजमर्रा का काम भी समय के साथ खराब हो गया है. वह अभी किराने का सामान भी नहीं खरीद पा रहे हैं. और दो समय का भोजन भी नहीं मिल पा रहा है. उन्होंने कहा कि इतने सालों तक उन्होंने हमेशा मदद लेने से इनकार किया लेकिन अब हालात काफी बुरे हो गए हैं. सुंदरेसन ने पेटरसन की मदद के लिए लोगों से विनती की है. इसके बाद टीम इंडिया के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी पेटरसन की मदद की अपील की है. उन्होंने लिखा, महान पैट्रिक पेटरसन को रोजाना के काम के लिए मदद की जरूरत है. उनकी मदद के लिए भारतीय करंसी में कोई ऑप्शन नहीं है. यदि कोई मदद कर सके तो प्लीज करें।

पैट्रिक पेटरसन सात साल तक विंडीज टीम में खेले

पैट्रिक पेटरसन सात साल तक वेस्ट इंडीज टीम की ओर से खेले. इस दौरान उन्होंने 28 टेस्ट में 93 विकेट लिए और 59 वनडे में 90 विकेट लिए. टेस्ट में 24 रन देकर पांच विकेट उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा. वही वनडे में उन्होंने 29 रन देकर छह विकेट लिए थे. इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्हे ज्यादा लंबे समय तक खेलने का मौका नही मिला लेकिन घरेलू क्रिकेट में उन्होने काफी जलवे बिखेरे. 161 फर्स्ट क्लास मैच में उनके नाम 493 विकेट रहे है. वही 100 लिस्ट ए मैच मे 144 विकेट उन्होने चटकाए.

महिला क्रिकेट टीम को लेकर पूर्व कप्तान की बीसीसीआई को सलाह, कहा– डे नाइट टेस्ट से पहले ये काम सबसे जरूरी

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

पिछले एक साल से नियमित क्रिकेट का इंतजार कर रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए आने वाले कुछ महीने काफी अच्छे साबित होने वाले हैं. टीम इंडिया को लगातार क्रिकेट सीरीज खेलने को मिल रही हैं और इसमें सबसे अहम बात टेस्ट क्रिकेट की वापसी है. टीम इंडिया इस साल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में एक-एक टेस्ट मैच खेलने वाली है. इसमें सबसे खास है ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाला टेस्ट मैच, जो एक डे-नाइट मुकाबला होगा. टीम इंडिया पहली बार गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेलेगी. हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने अभी तक गुलाबी गेंद से घरेलू स्तर पर भी कोई मैच नहीं खेला है और यही कारण है कि महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर शांता रंगास्वामी ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले टीम को घर में ही गुलाबी गेंद से खेलने का मौका मिले.

भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर जाने वाली है, जहां टीम एक टेस्ट मैच खेलेगी. भारतीय टीम का 8 साल बाद ये पहला टेस्ट मैच होगा. इस टेस्ट मैच को लेकर खिलाड़ियों के साथ ही क्रिकेट फैंस में भी काफी उत्साह है. इस उत्साह को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पिंक बॉल टेस्ट की घोषणा ने दोगुना कर दिया है. टीम पर्थ में ये मुकाबला खेलेगी.

गुलाबी गेंद से घरेलू टूर्नामेंट जरूरी

हालांकि, टेस्ट क्रिकेट और खास तौर पर अब डे-नाइट टेस्ट को लेकर टीम इंडिया की तैयारियों का सवाल उठने लगा है. इस मामले में उन्होंने उम्मीद जताई है कि बोर्ड भारतीय टीम के लिए पहले देश में ही एक डे-नाइट टूर्नामेंट आयोजित करेगा ताकि खिलाड़ियों को तैयारी का अच्छा मौका मिल सके. उन्होंने कहा, इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट मैच की घोषणा की गयी है जो बेहद प्रशंसनीय है, लेकिन भारतीय महिलाएं घरेलू स्तर पर भी लंबे प्रारूप की क्रिकेट नहीं खेल रही हैं इसलिए बीसीसीआई को मेरी सलाह है कि वह टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पूर्व उसके लिये भारत में गुलाबी गेंद से घरेलू टूर्नामेंट का आयोजन करे।

टेस्ट क्रिकेट की फिर से शुरूआत अच्छी बात

लंबे समय बाद क्रिकेट के सबसे पुराने फॉर्मेट में टीम इंडिया की वापसी को बीसीसीआई एपेक्स काउंसिल की सदस्य और पूर्व कप्तान रंगास्वामी ने अच्छी पहल बताया. बीसीसीआई ने पिछले साल महिला क्रिकेटरों के लिये कुछ टूर्नामेंटों की योजना बनायी थी लेकिन महामारी के कारण इन पर पानी फिर गया. भारतीय महिला टीम ने अपना आखिरी टेस्ट मैच 2013 में खेला था. वहीं घरेलू स्तर पर महिलाओं के लिये 2018 से लंबे प्रारूप के मैच नहीं खेले जा रहे हैं और ऐसे में मिताली राज की अगुवाई वाली टीम के लिये चुनौती आसान नहीं होगी. भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 16 जून से ब्रिस्टल में टेस्ट मैच खेलना है. वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट मैच 30 सितंबर से दुनिया के सबसे तेज पिच के गढ़ पर्थ के बाका में आयोजित किया जाएगा।

मोनाको ग्रां प्री के शुरूआती सत्र में पेरेज पहले और हैमिल्टन पांचवें स्थान पर रहे

मोनाको। रेडबुल के ड्राइवर सर्जियो पेरेज ने गुरुवार को मोनाको ग्रां प्री के पहले अभ्यास सत्र के दौरान सबसे तेज समय निकाला। पेरेज ने 3.4 किलोमीटर के सर्किट पर सबसे तेज लैप एक मिनट 12.49 सेकेंड में पूरा किया। फेरारी के चालक कार्लोस सैंज जूनियर दूसरे और पेरेज के साथी मैक्स वर्सटाप्पन तीसरे स्थान पर रहे। अल्फा टॉरी के चालक पियरे गास्ली ने चौथा सबसे तेज समय निकाला जबकि एफवन चैंपियन लुईस हैमिल्टन पांचवें और मसीडीज के उनके साथी वलटारी बोटास छठे स्थान पर रहे। हैमिल्टन अभी चालकों की संपूर्ण सूची में वर्सटाप्पन से 14 अंक आगे चल रहे हैं। वे चार रेस में पहले दो स्थानों पर रहे थे। हैमिल्टन की निगाह शनिवार को अपने करियर में 101वीं बार पोल पोजीशन (सबसे आगे रहकर रेस शुरू करना) हासिल करने और रविवार को अपने करियर की 99वीं जीत दर्ज करने पर टिकी हैं।

कोविड-19 15 लाख आवेदकों ने किया क्लेम, जानिए कितने का हुआ निपटारा

कोरोना काल में हेल्थ इंश्योरेंस लेने वालों की बढ़ी संख्या

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

कोरोना काल में हेल्थ इंश्योरेंस की भूमिका काफी अहम हो गई है. इलाज के खर्चों को कम करने के लिए आवेदक लगातार इंश्योरेंस क्लेम कर रहे हैं. जनरल इंश्योरेंस काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल 14 मई तक करीब 15 लाख आवेदकों ने क्लेम के लिए अप्लाई किया है. जिनमें से 12.35 लाख ग्राहकों के दावे का निपटारा किया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक इन दावों को निपटाने में अलग-अलग हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों ने करीब 22,955 करोड़ रुपए का भुगतान किया है, जो अपने आप में काफी ज्यादा है. आंकड़ों के हिसाब से कोरोना काल में 14.82 लाख ग्राहकों ने हेल्थ इंश्योरेंस की रकम पाने के लिए आवेदन किया है.

जिनमें साधारण बीमा कंपनियों की ओर से आधे से ज्यादा का भुगतान कर दिया गया है. अभी 2.5 लाख ग्राहकों द्वारा हेल्थ इंश्योरेंस की 11,161 करोड़ रुपए की रकम का भुगतान किया जाना बाकी है.

इस राज्य के लोगों ने सबसे ज्यादा किया आवेदन

कोरोना काल में हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम के लिए आवेदन करने वालों में महाराष्ट्र के आवेदक सबसे अधिक रहें. काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र से सबसे ज्यादा 5.35 लाख लोगों ने करीब 6900 करोड़ रुपये के हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम का दावा किया है. इसके बाद गुजरात, कर्नाटक, दिल्ली जैसे राज्यों का नंबर रहा है.

कैशलेस क्लेम लेना आसान

दूसरी बीमारियों की तरह कोरोना महामारी के क्लेम को भी कैशलेस किए जाने को लेकर इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया कफरुअक ने नई गाइडलाइन जारी की थी. साथ ही इंश्योरेंस कंपनी की ओर से भुगतान में जल्द से जल्द हो सके इसके लिए 2 घंटे के अंतर प्रक्रिया को पूरा करने की बात कही गई थी. इरडा ने ये बदलाव क्लेम के जल्दी निपटारे और लोगों की सहूलियत के लिए किया था.

मोहम्मद आमिर का बड़ा बयान, बोले– विराट कोहली और रोहित शर्मा को आउट करना 'बाएं हाथ' का खेल

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर इन दिनों चर्चा में हैं। हाल ही में खबर आई थी कि वह पूरी तरह से ब्रिटेन में बसने जा रहे हैं और उन्होंने नागरिकता के लिए अर्जी भी दे दी है। अब आमिर ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने विराट कोहली की अपेक्षा रोहित शर्मा को आउट करना आसान बताया है। दोनों बल्लेबाजों को बोलिंग करने में परेशानी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि रोहित को तो वह आसानी से आउट कर लेंगे। विराट को थोड़ा मुश्किल होगी, लेकिन नामुमकिन नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि इन दोनों को ही बोलिंग करने में कभी असहज महसूस नहीं किया। कुछ वर्षों पहले भी आमिर ने ऐसा ही बयान दिया था। स्टीव स्मिथ को सबसे मुश्किल बल्लेबाजों में शामिल किया है।

महज 28 वर्ष की उम्र में इंटरनैशनल क्रिकेट को अलविदा कहने वाले आमिर ने एक इंटरव्यू में कहा, 'रोहित शर्मा को आउट करना ज्यादा आसान लगता है, क्योंकि वह दोनों तरीके से आउट हो सकते हैं।

एक नजर...

विधायक डॉ.सतीश सिकरवार के नेतृत्व में स्व.श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ.सती्या सिंह सिकरवार के ललितपुर कॉलोनी स्थित कार्यालय पर पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्री राजीव गांधी की गवीं चलित पुण्यतिथि विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्त्ताओं द्वारा सादीपूर्ण तरीके से कोविड नियमों का पालन करते हुये मनाई गई। पुण्यतिथि कार्यक्रम में सर्वप्रथम विधायक एवं विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्री राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर, पुष्पांजली दी गई। इस अवसर पर डॉ.सिंकरवार द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि श्री राजीव गांधी का जन्म दिनांको मुम्बई में हुआ। वर्ष अ्द्वल में मॉ इंदिरा गांधी की हत्या के बाद ल0 वर्ष की आयु में श्री राजीव गांधी ने दे्या के सबसे युवा प्रधानमंत्री के बतौर दे्या की कमान अपने हाथों में ली। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्री राजीव गांधी भारतीय राजनीति के इतिहास में पहले ऐसा नेता थे जिन्होंने सार्वजनिक मंच से खुद सरकार में होते हुये, सरकार में फैले भ्रष्टाचार पर अंगुली उठाई। अद्भुत क्षमता वाले श्री गांधी दे्या को दुनिया की उच्च तकनीकों से पूर्ण कर इक्कीसवीं सदी के भारत का निर्माण चाहते थे। इस हेतु उन्होंने पंचायती राज, सूचना क्रान्ति एवं आधुनिक भारत के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन श्री अवधे्या कौरव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री अमर सिंह माहोर जिला कार्यकारी अध्यक्ष एवं श्री कृष्णराव दीक्षित, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नगर निगम द्वारा भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया गया। कार्यक्रम का आभार इन्दरगंज ब्लॉक अध्यक्ष श्री राके्या गुर्जर द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से कार्यकारी अध्यक्ष श्री वीर सिंह तोमर, प्रदे्या सचिव श्री सुरेन्द्र यादव, श्री प्रमोद जैन, श्री पवन गुप्ता, श्री सत्यभान चौहान, श्री संदीप यादव, श्री शरद यादव श्री अ्यिवनी अगरैया, श्री बबलू सोन, श्री सुरे्या प्रजापति, श्री अ्याोक कठुल, श्री भुवने्या सारस्वत, श्री राजू यादव, आदि कार्यकर्त्तागण उपस्थित रहे। स्व.श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर केन्द्रीय कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर एम्बूलेंस सिविल अस्पताल मुरार एवं गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर में उपचार हेतु आने वाले लोगों के उपयोग हेतु क्रय करने संबंधी स्वीकृति पत्र, सिविल सर्जन ग्वालियर एवं संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक जयारोग्य चिकित्सालय समूह ग्वालियर को सौंपे गये। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र शर्मा सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण एवं कार्यकर्त्तागण उपस्थित रहे। अंत में सभी कांग्रेस के कार्यकर्त्ताओं द्वारा गरीब एवं असहाय लोगों की मदद करने व सेवा भाव का संकल्प लिया गया।

मुंहबोले भाई ने की नीयत खराबः मकान मालिक के बेटे को भाई माना था

दोस्त की मदद से बंधक बनाकर किया दुष्कर्म

ग्वालियर। नाबालिग ने मकान मालिक के जिस बेटे को भाई माना, उसने ही उस पर नीयत खराब कर दी। गुरुवार रात आरोपी ने छात्रा को दोस्त की मदद से रूम में बंधक बना लिया। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। दोस्त भी दुष्कर्म करने वाला था, पर किसी तरह लड़की भाग आई। घटना ग्वालियर के चार शहर का नाका की है। छात्रा ने पूरी बात परिजन को बताई। इसके बाद वह थाने पहुंचे। पुलिस ने आरोपी और उसके दोस्त के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उपनगर ग्वालियर के चार शहर का नाका निवासी 17 वर्षीय लड़की 12वीं की छात्रा है। वह परिवार के साथ किराए का कमरा लेकर रहती है। गुरुवार रात छात्रा कमरे से बाहर निकली, तभी रात करीब डेढ़ बजे मकान मालिक का बेटा नीलू अपने दोस्त सत्यम के साथ उसके कमरे में पहुंचा। छात्रा का मुंह बंद कर उठाकर अपने कमरे में ले गया। यहां जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब छात्रा ने विरोध किया, तो सत्यम ने उसके हाथ पकड़े और नीलू ने उसके साथ गलत काम किया। इसके बाद सत्यम उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास कर रहा था, तो मकान में रहने वाले अन्य किराएदार जाग गए। इस बीच, मौके का फायदा उठाकर छात्रा आरोपी को धक्का देकर भाग निकली। घर आकर परिवार को आपबीती बताई।

बुजुर्ग महिला ने लगाई फांसी

ग्वालियर। आर्थिक तंगी से परेशान एक 65 साल की बुजुर्ग महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना जनकगंज थाना क्षेत्र के निम्बाजी की खो जीवाजी नगर में आज गुरुवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर शव को पीएम हाउस भेज दिया है। जनकगंज थाना क्षेत्र के निम्बाजी की खो निवासी पुष्पा पत्नी अमर सिंह परिहार ने गुरुवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना का पता उस समय चला। जब उनका बेटा कमरे में पहुंचा तो वह फंदे पर झूल रही थी। मामले का पता चलते ही पुलिस को सूचना दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संत सिंगाजी के चित्र पर माल्यर्पण किया

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने संत सिंगाजी महाराज की जयंती के अवसर पर आज निवास में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। सिंगाजी का जन्म ग्राम खजूरी जिला बड़वानी मध्यप्रदेश मे हुआ। संत सिंगाजी को 16वीं या 17वीं शताब्दी के काल का माना जाता है। कहा जाता है कि सिंगाजी एक कवि व संत थे। समूचे मध्यप्रदेश में अनेकों स्थानों पर सिंगाजी के डेरे व समाधियाँ बनी हुयी हैं, जहाँ मेलों का आयोजन भी किया जाता है। कवि संत सिंगाजी के आध्यात्मिक गीत आज तक गाये जाते हैं। खंडवा जिले में निर्मित थर्मल पावर प्लांट मुंडी का नाम संत सिंगाजी के नाम पर रखा गया है।

कोरोना की तीसरी वेव से बचाव में भी प्रभावी सिद्ध होगा 'योग से निरोग' कार्यक्रम : मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने होम आइसोलेशन में रह रहे कोरोना मरीजों से किया संवाद, श्री श्री रविशंकर तथा योग गुरु स्वामी रामदेव ने प्रदेश के होमआइसोलेशन मरीजों का किया मार्गदर्शन

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। पॉजिटिविटी रेट 5.4 प्रतिशत हो गया है। मरीजों की संख्या लगातार कम हो रही है और स्वस्थ होकर घर जाने वाले व्यक्तियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना के प्रकरण न्यूनतम होने के बाद भी प्रदेश में योग से निरोग कार्यक्रम जारी रहेगा, क्योंकि हमें प्रदेशवासियों को कोरोना की तीसरी वेव के लिए तैयार करना है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और व्यक्ति को स्वस्थ, सकारात्मक एवं ऊर्जावान बनाए रखने में योग बहुत प्रभावी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान योग से निरोग कार्यक्रम के अंतर्गत होम आइसोलेशन प्रतिभागियों एवं योग प्रशिक्षकों से निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा संवाद कर रहे थे। कार्यक्रम में गुरु देव श्री श्री रविशंकर तथा योग गुरू स्वामी रामदेव ने भी प्रतिभागियों को ऑनलाईन मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, आयुष राज्य मंत्री श्री रामकिशोर कावरे, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष श्री भरत बैरागी, इण्डियन योग एसोसिएशन की चेयरपर्सन डॉ. पुष्पांजलि शर्मा, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी तथा प्रमुख सचिव आयुष श्रीमती करलिन खोंगवार देशमुख भी ऑनलाइन सम्मिलित हुईं।

योग के परिणामस्वरूप कोरोना का घातक प्रभाव नहीं हुआः मुख्यमंत्री श्री चौहान–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि मैं स्वयं कोरोना से प्रभावित हो गया था। चूंकि मैं कई वर्षों से योग कर रहा हूँ। अतः कोरोना का कोई घातक प्रभाव मुझ पर नहीं हुआ। हमारे परिवार के सभी सदस्य प्रतिदिन ध्यान और प्रणायाम अभ्यास करते हैं। मेरा यह व्यक्तिगत अनुभव है कि योग आत्म-विश्वास, सकारात्मकता और ऊर्जा बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। कोरोना के बाद आ रही ब्लैक फंगस, वाइट फंगस जैसी जटिलताओं से बचने में आयुर्वेदिक परंपराएँ, योग

का अनुसरण सहायक सिद्ध हो सकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में कोविड के होम आइसोलेशन रोगियों को मार्गदर्शन देने के लिए श्री श्री रविशंकर गुरुदेव और योग गुरु श्री रामदेव जी का आभार माना। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने होम आइसोलेशन रोगियों खण्डवा की श्रीमती खैरुनिशा परियानी, खण्डवा के ही श्री सुरेन्द्र जैन, बालाघाट की श्रीमती जयश्री ठाकरे और ग्वालियर के योग प्रशिक्षक श्री जयदयाल शर्मा और श्रीमती आराधना दुबे से बातचीत भी की।

एक मुख्यमंत्री का जनता से मामा जैसा संबंध होना अनूठा उदाहरणः गुरुदेव श्री श्री रविशंकर–गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सत्ता में रहते हुए प्रदेश के जन-जन से मामा का जो संबंध जोड़ा है वह उनका जनता के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता का अनूठा उदाहरण है। योग विद्या जैसी गतिविधियों का राज्य के समर्थन से अधिक प्रभावी तरीके से संचालन संभव है। इस दिशा में मध्यप्रदेश द्वारा की गई पहल सराहनीय और प्रदेशवासियों के लिए कल्याणकारी है। श्री श्री रविशंकर ने कहा कि कोरोना के इस तांडव में आत्म-बल और मनोबल को बनाए रखना आवश्यक है। मजबूत मन कमजोर शरीर को आगे ले जा सकता है इसके लिए योग और प्रणायाम से प्रभावी कोई रास्ता नहीं है। हमारी भोजन शैली व भोजन प्रक्रिया में रोग प्रतिरोधक तत्व हैं अतः परंपरागत भोजन, आचार-विचार, योग पद्धति निरोगी रहने का प्रामाणिक मार्ग है। श्री श्री रविशंकर ने पूर्वाग्रह और अंधविश्वास से मुक्त रहते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ परंपरागत ज्ञान-विज्ञान को अपनाने की आवश्यकता बताई।

कोरोना से बचाव के लिए योग पर आधारित कार्यक्रम आरंभ करना विश्व की एकमात्र पहलः स्वामी रामदेव

योग गुरु श्री रामदेव ने कहा कि कोरोना वैश्विक आपदा है। ऐलोपैथिक दवाओं के अधिक उपयोग ने रोग प्रतिरोधक क्षमता को घटाया है। इसके परिणाम स्वरूप ब्लैक फंगस और वाइट फंगस जैसे जटिल रोग सामने आ रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कोरोना से बचाव के लिए योग पर आधारित कार्यक्रम आरंभ करने की पहल को विश्व में एकमात्र ऐसी कोशिश बताते हुए योग गुरु श्री रामदेव ने कहा कि कोरोना के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप लोगों का योग और आयुर्वेद में विश्वास बढ़ा है। कोरोना की दवा यही है कि आप कितने सशक्त हैं आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कितनी है। इन दोनों में योग बहुत अधिक सहायक है। हमारे पूर्वजों के ज्ञान में यदि रोगों के समाधान हैं तो उनका उपयोग होना चाहिए। बिना धर्म, मजहब में बँटे हमें इस संचित ज्ञान और पद्धतियों का लाभ लेना होगा। योग गुरु ने कहा कि योग व्यक्ति को दुःख, दारिद्रय, रोग, कुंठा, निराशा से निकालने और सकारात्मक बनाए रखने में सहायक है।

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने कहा कि %योग से निरोग% कार्यक्रम का लक्ष्य है कि जो मरीज वर्तमान में होम आईसोलेशन में है वे वहीं रहकर ठीक हों और उन्हें अस्पताल जाने की जरूरत न पड़े। कोरोना महामारी में मरीजों को तनाव और अवसाद से बचाना, उनका मनोबल बनाए रखना और योग के साथ पौष्टिक आहार के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना भी कार्यक्रम में सम्मिलित है। %योग से निरोग% कार्यक्रम में मरीजों को दिन में दो बार वीडियो कॉल या फोन कॉल द्वारा योग, ध्यान, आसन प्राणायाम का अभ्यास कराया जाता है। वर्तमान में प्रदेश में 93 हजार व्यक्तियों को तीन हजार से अधिक प्रशिक्षक सेवाएँ उपलब्ध करा रहे हैं।

कोविड-19 के संक्रमण को पूर्ण रूप से समाप्त करने के लिये क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सभी सदस्य अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करें

ग्वालियर। कोविड-19 की पॉजिविटी दर कम हुई है। इसे शून्य तक लाने के लिये हम सबको अभी और तेजी के साथ प्रयास करने की आवश्यकता है। सभी के सहयोग और जन जागृति के माध्यम से ही कोरोना को समाप्त किया जा सकता है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं कोविड के लिये जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने शुक्रवार को बाल भवन में गूगल मीट के माध्यम से वार्ड स्तरीय क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यों से चर्चा करते हुए यह बात कही। गूगल मीट में चर्चा के दौरान प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा एवं विधानसभा ग्वालियर, ग्वालियर पूर्व एवं ग्वालियर दक्षिण के सभी वार्डों में गठित क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यगण शामिल हुए।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि कोविड की इस महामारी के दौर में शासन-प्रशासन के साथ-साथ आम जनों की सहभागिता से हम कोविड की पॉजिटिविटी दर को कम करने में कामयाब हुए हैं। इसे पूर्ण रूप से समाप्त करने के लिये अभी और प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि अभी हमें निश्चिंत होने की आवश्यकता नहीं है। कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिये लगाए गए जनता कर्फ्यू का सख्ती से पालन आवश्यक है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा कोरोना की रोकथाम के साथ-साथ लोगों को आवश्यक मदद करने का कार्य भी कर रही है। जरूरतमंदों को पाँच माह का निःशुल्क खाद्यान्न मुहैया कराया जा रहा है। इसके साथ ही आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निःशुल्क चिकित्सकीय सुविधायें उपलब्ध कराई गई हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भी कोरोना के कारण मृत्यु होने पर एक लाख रूपए की राशि देने की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही ऐसे परिवार जिनके अभिभावक कोरोना के कारण नहीं रहे हैं उनके बच्चों के लिये 5 हजार रूपए की पेंशन, निःशुल्क खाद्यान्न और शिक्षा की व्यवस्था भी सरकार द्वारा करने का निर्णय लिया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यों से आग्रह किया कि वे जहां भी रहते हैं वहां आस-पास के लोगों को जागरूक करने का कार्य करें। इसके साथ ही नगर निगम के माध्यम से सभी जनमित्र केन्द्रों पर कोविड सहायता केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। यहां पर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ-साथ दवाओं का वितरण भी किया जा रहा है। जनमित्र केन्द्र के माध्यम से निःशुल्क राशन के लिये अस्थायी पात्रता पर्ची का प्रदाय भी किया जा रहा है। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि सभी पात्र लोगों को आयुष्मान कार्ड का लाभ मिले, इसके लिये शासकीय अस्पतालों के साथ-साथ शहर में 14 केन्द्र स्थापित कर कार्ड बनाने का कार्य किया जा रहा है। सभी पात्र लोगों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराने की दिशा में भी हम सबको प्रयास करना चाहिए।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने नगर निगम को सौंपे 10 पेयजल टैंकर व ट्रेक्टर छावनी क्षेत्र की बस्तियों में घर-घर पहुँचेगा पानी

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के आह्वान पर चलाए जा रहे सेवा ही संगठन कार्यक्रम के तहत उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने ग्वालियर नगर निगम को पेयजल के 10 टैंकर व ट्रेक्टर सौंपे हैं। उन्होंने शुक्रवार को अपनी विधायक निधि से ये टैंकर व ट्रैक्टर नगर निगम को प्रदान किए। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने बताया कि इन टैंकरों के माध्यम से छावनी और कैंटोनमेंट क्षेत्र के 10 वार्डों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि छावनी क्षेत्र एवं नगर निगम में शामिल हुए ग्रामीण वार्डों की पेयजल समस्या के स्थायी निदान के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही मौजूद गर्मी के मौसम में इस क्षेत्र की जनता को पेयजल की दिक्कत न हो इसके लिए उन्होंने नगर निगम को पेयजल टैंकर मुहैया कराए हैं। श्री कुशवाह ने कहा जरूरत पड़ने पर और भी टैंकर प्रदान किए जाएंगे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478